हल्द्वानी (नैनीताल) एवं देहरादून से एक साथ प्रकाशित

समाचारों को विस्तार से व तत्काल पढ़ने के लिए क्लिक करें
Web:- www.jokhimnews.com
सूचना एवं लोकसम्पर्क विभाग, उत्तराखण्ड में "A" श्रेणी में सूचीबद्ध

जोखिम

भय भूख एवम् भ्रष्टाचार के खिलाफ संघर्षरत् निर्भीक राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

वर्ष : 16 अंक : 310 देहरादून मंगलवार 03 फरवरी 2026 मूल्य :रू 2 पृष्ठ : 8

मुख्यमंत्री ने किया श्रमिक प्रशिक्षण पोर्टल का शुभारंभ

देहरादून संवाददाता. मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने आज उत्तराखण्ड भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण बोर्ड, श्रम विभाग, उत्तराखण्ड द्वारा विकसित श्रमिक प्रशिक्षण प्रबंधन प्रणाली का शुभारंभ किया। यह पोर्टल पंजीकृत श्रमिकों एवं उनके आश्रित परिवारजनों के कौशल विकास को पारदर्शी, प्रभावी एवं तकनीक-आधारित बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। मुख्यमंत्री के निर्देशानुसार श्रमिक प्रशिक्षण कार्यक्रमों को पूर्णतः ऑनलाइन एवं पारदर्शी बनाए जाने के उद्देश्य से इस पोर्टल का विकास किया गया है। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि कौशल प्रशिक्षण के उपरांत श्रमिकों के सर्वांगीण विकास से जुड़ी अन्य आवश्यकताओं पर भी प्रभावी कार्यवाही सुनिश्चित की जाए। साथ ही राज्य के उद्यमियों से कौशल आवश्यकताओं के संबंध में नियमित फीडबैक लिया जाए, ताकि प्रशिक्षण को रोजगार से बेहतर रूप से जोड़ा जा सके। मुख्यमंत्री ने क्षेत्रीय आवश्यकताओं के अनुरूप प्लम्बर,

कारपेंटर, इलेक्ट्रीशियन आदि व्यवसायों में प्रशिक्षण पर विशेष बल देने के निर्देश दिए, जिससे स्थानीय आवश्यकताओं की पूर्ति स्थानीय श्रमिकों से हो सके और रोजगार के अवसर बढ़ें। इससे क्षेत्रीय जनसांख्यिकीय संतुलन बनाए रखने में भी सहायता मिलेगी। उन्होंने प्रशिक्षणोपरांत फॉरवर्ड लिंकेज को सुदृढ़ करने पर विशेष ध्यान देने के निर्देश देते हुए श्रम विभाग द्वारा संचालित डीबीटी योजनाओं की सराहना की तथा न्ज्ञठव्ꣳ को अपनी आय बढ़ाने हेतु निरंतर प्रयास करने के निर्देश भी दिए।

इस पोर्टल के माध्यम से प्रशिक्षण व्यवस्था को बनाया जाएगा पारदर्शी व प्रभावी: श्रम विभाग के सचिव डॉ. श्रीधर बाबू अद्दंकी ने बताया कि विभाग द्वारा मुख्यमंत्री के निर्देशानुसार सभी योजनाओं को अधिक पारदर्शी एवं परिणामोन्मुखी बनाने के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। इस दौरान श्रमायुक्त पी.सी. दुमका द्वारा पोर्टल की कार्यप्रणाली पर विस्तृत प्रस्तुतीकरण दिया गया। उन्होंने कहा कि श्रमिक प्रशिक्षण पोर्टल (ज्डै) के माध्यम से प्रशिक्षण प्रदाताओं, मूल्यांकनकर्ताओं, प्रशिक्षण केंद्रों एवं प्रशिक्षकों का चयन भारत सरकार में इम्पैनल्ड (प्उचंदमससमक) संस्थाओं एवं प्रमाणित व्यक्तियों से पूरी तरह ऑनलाइन प्रक्रिया द्वारा किया जाएगा। प्रशिक्षण कार्यक्रमों की उपस्थिति एवं मूल्यांकन भी डिजिटल माध्यम से सुनिश्चित होंगे।

इस पोर्टल सेख्र

- प्रशिक्षण कार्यक्रमों में पूर्ण पारदर्शिता सुनिश्चित होगी।

- डुप्लीकेसी की प्रभावी रोकथाम होगी।

- प्रशिक्षण की गुणवत्ता में निरंतर सुधार होगा।

- प्रशिक्षित श्रमिकों का केन्द्रीयकृत डाटाबेस उपलब्ध होगा।

- प्रशिक्षण प्रदाताओं एवं संबंधित अधिकारियों की जवाबदेही सुनिश्चित होगी।

कार्यक्रम में प्रमुख सचिव आर. के. सुधांशु सहित अन्य विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

गढ़वाली सैनिकों पर पुस्तक का लोकार्पण

देहरादून संवाददाता. दून पुस्तकालय एवं शोध केंद्र में सोमवार को मोहन सिंह 'अकेला' लिखित व संपादित पुस्तक "स्वतंत्रता-पूर्व के युग परिवर्तक गढ़वाली सैनिक" का लोकार्पण एवं चर्चा आयोजित की गई। पुस्तक में स्वतंत्रता से पहले गढ़वाल के उन सैनिकों का उल्लेख है, जिनका योगदान इतिहास की मुख्यधारा में बहुत कम दर्ज हुआ। लेखक मोहन सिंह 'अकेला' ने पुस्तक के लिए दुर्लभ अभिलेखों, पारिवारिक दस्तावेजों और मौखिक इतिहास का सहारा लिया है। पुस्तक में श्रीदेव सुमन जैसे क्रांतिकारियों की शहादत और सैनिकों की भूमिका को एक साथ जोड़ा गया है। वक्ताओं ने इसे शोधार्थियों और युवाओं के लिए प्रेरणास्रोत बताया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में युवा छात्रों की उपस्थिति रही, जिससे इतिहास के प्रति नई पीढ़ी की रुचि दिखाई दी। यह पुस्तक भविष्य में गढ़वाल के सैन्य इतिहास पर शोध के लिए संदर्भ ग्रंथ के रूप में उपयोगी मानी जा रही है।

हाउस आफ हिमालयाज बिक्री का आंकड़ा 3.7 करोड़ के पार पहुंचा

- दिसंबर 2023 में प्रधानमंत्री के हाथों हुई थी हाउस आफ हिमालयाज की लांचिंग

देहरादून संवाददाता. पहाड़ की महिलाओं की मेहनत तैयार विशुद्ध उत्तराखंडी उत्पादों का ब्रांड 'हाउस ऑफ हिमालयाज', लांचिंग के दो साल के भीतर साढ़े तीन करोड़ रुपए से अधिक की बिक्री करने में कामयाब रहा है। जल्द ही हाउस ऑफ हिमालयाज के उत्पाद विदेशों में भी बिक्री के लिए उपलब्ध होंगे। ग्राम्य विकास विभाग के अधीन, हाउस ऑफ हिमालयाज, उत्तराखंड के महिला स्वयं सहायता समूहों, किसानों, किसान उत्पादक संगठनों और ग्रामीण उद्यमियों द्वारा बनाए गए उत्पादों का कॉमन ब्रांड है। इसका उद्घाटन खुद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के हाथों, दिसंबर 2023 के दौरान देहरादून में आयोजित ग्लोबल इंवेस्टर समिट के दौरान हुआ था। प्रधानमंत्री के हाथों उद्घाटन के बाद हाउस ऑफ हिमालयाज के उत्पादों की एकाएक मांग बढ़ी है। बीते दो साल में कुल बिक्री का आंकड़ा 3.7 करोड़ के पार पहुंच गया है। अब हाउस ऑफ हिमालयाज ब्रांड के उत्पाद ऑफलाइन के साथ ही ई कामर्स साइट जियो मार्ट, अमेजन, ब्लिंकिट, बिग बास्केट और ब्रांड की खुद की अपनी वेबासइट ीजजचेः//ीवनेमवीीपउंसंलें.बवउ/ पर भी मिल रहे हैं।50 विशिष्ट उत्पाद शामिल : वर्तमान में इस ब्रांड में कुल 50 उत्पादों को शामिल किया गया है। इसमें मिलेट्स बिस्किट, मुन्स्यारी, चकराता, हर्षिल की राजमा, चौलाई, तोर दाल, पहाड़ का परंपरागत लाल चावल, झंगोरा, गहथ, काले भट्ट, चाय, तेल, पर्सनल केयर, हैंडीक्राफ्ट के उत्पाद शामिल हैं। इसके उत्पादों की गुणवत्ता की जांच तीन स्तरों पर की जा रही है। सरकार स्थानीय मेलों, त्यौहार के मौकों पर हाउस ऑफ हिमालयाज के उत्पादों को खरीदने पर जोर दे रही है। साथ ही सरकारी कार्यक्रमों और कार्यालयों के जरिए भी बिक्री बढ़ाने की रणनीति तैयार की गई है। दिवाली जैसे त्यौहार के लिए हाउस ऑफ हिमालयाज की ओर से खास गिफ्ट पैक उपलब्ध कराए गए थे, जिन्हें खूब पसंद किया गया। तीन हजार से महिलाओं को रोजगार : हाउस ऑफ हिमालयाज में अब तक कुल 22 ट्रेडमार्क पंजीकृत किए जा चुके हैं। इस उत्पाद श्रंखला से राज्य की 3,300 से अधिक ग्रामीण महिलाएं प्रत्यक्ष तौर पर जुड़ी हुई हैं। जबकि व्यापक क्रय नेटवर्क के माध्यम से 28,000 से अधिक महिलाओं को इसका अप्रत्यक्ष लाभ मिला है। ये उत्पाद प्रमुख शहरों में 26 आउटलेट्स के जरिए बिक्री के लिए उपलब्ध हैं। इसमें जौलीग्रांट एयरपोर्ट का एक्सक्लूसिव ब्रांड आउटलेट शामिल है। इसके साथ ही प्रतिष्ठित होटल श्रृंखलाओं एवं यात्रा केंद्रों में भी हाउस ऑफ हिमालयाज की प्रीमियम कार्ट्स स्थापित किए गए हैं। साथ ही चार धाम मार्ग पर 10 फ्लोर स्टैंडिंग यूनिट्स तैनात की गई हैं। कंपनी रिलायंस फ्रेशपिक, फ्लिपकार्ट और जेप्टो के साथ अनुबंध का प्रयास कर रही है। हाउस ऑफ हिमालयाज के उत्पाद को विदेशी बाजार में उपलब्ध कराने के लिए अमेजन ग्लोबल, वॉलमार्ट के साथ साझेदारी के प्रयास किए जा रहे हैं।

संक्षिप्त समाचार...

सरेआम हत्या से आक्रोश, दोषियों को सख्त सजा की मांग

देहरादून संवाददाता. मच्छी बाजार में युवती की सरेआम नृशंस हत्या पर मानवाधिकार एवं सामाजिक न्याय संगठन की प्रदेश अध्यक्ष मधु जैन ने शोक और आक्रोश जताया है। उन्होंने कहा कि यह घटना अत्यंत अमानवीय और समाज को झकझोर देने वाली है। मधु जैन ने शासन-प्रशासन से दोषियों के खिलाफ त्वरित, निष्पक्ष और कठोरतम कार्रवाई की मांग की। कहा कि बढ़ते अपराध उत्तराखंड की शांतिप्रिय छवि को नुकसान पहुंचा रहे हैं। उन्होंने प्रदेश में कानून-व्यवस्था को और सख्त करने की आवश्यकता पर जोर दिया।

लोकगायक जीत सिंह नेगी की याद में बांटे कंबल

देहरादून संवाददाता. शैल कला एवं ग्रामीण विकास समिति के तत्वावधान में सोमवार को डोभालवाला स्थित सिलाई केंद्र में लोकगायक स्व. जीत सिंह नेगी को उनकी जयंती पर याद किया गया। संस्था के संस्थापक अध्यक्ष डॉ. स्वामी एस चंद्रा ने बताया कि संस्था हमेशा जरूरतमन्द लोगों के लिए सदैव मदद के लिए तैयार रहती है। जीत सिंह नेगी द्वारा रचे गीत संगीत आज भी लोगों की जुबान पर हैं। इस मौके पर केंद्र में सिलाई सीख रही महिलाओं को कंबल वितरित किए गए। मौके पर शिवम अग्रवाल, योगेश अग्रवाल, लोकेश गर्ग, महेंद्र सिंह, संजय थापा, हरीश मित्तल, गोविंद गुसाई मौजूद रहे।

नर्सिंग बेरोजगारों के धरने को दो माह पूरे

देहरादून संवाददाता. नर्सिंग एकता मंच के बैनर तले एकता विहार में चल रहा नर्सिंग बेरोजगारों का धरना रविवार को 60वें दिन भी जारी रहा। दो माह बीत जाने के बाद भी शासन-प्रशासन की ओर से कोई सुध न लेने पर नर्सिंग बेरोजगारों ने गहरा रोष जताया है। उनकी मांग है कि पूर्व की भांति भर्ती प्रक्रिया को वर्षवार आधार पर ही किया जाए।

हिन्दी दैनिक जोखिम

सम्पादकीय

सिर्फ समझौता नहीं, हमारे भविष्य का रोडमैप है भारत-यूरोपीय संघ एफटीए

भारत-यूरोपीय संघ मुक्त व्यापार समझौता (एफटीए) प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की आर्थिक कूटनीति में एक ऐतिहासिक मील का पत्थर है। इससे लाखों रोजगार पैदा होंगे तथा भारतीय युवाओं और किसानों के लिए व्यापक अवसरों का सृजन होगा। इसके साथ ही लगभग 2 अरब की उस आबादी के लिए धन पैदा होगा जो मिल कर वैश्विक अर्थव्यवस्था का एक-चौथाई भाग है।विश्व की दूसरी और चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं के बीच यह एफटीए इतिहास के सबसे बड़े व्यापार समझौतों में से एक है। वास्तव में यह व्यापार समझौते से ज्यादा व्यापक है। यह कृत्रिम मेधा (एआई), रक्षा और सेमीकंडक्टर जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने वाली विस्तृत साझीदारी है। इस एफटीए से भारत के हर क्षेत्र और नागरिक तथा खास तौर से निर्धन तबकों को लाभ पहुंचेगा।यह एफटीए नियम आधारित व्यापार और आर्थिक नीतियों में स्थिरता सुनिश्चित करता है जिससे भारत स्वदेशी और विदेशी निवेश के लिए और ज्यादा आकर्षक बनेगा। यह छोटे व्यवसायियों, स्टार्टअप संस्थाओं और कामगारों के लिए अनेक अवसर पैदा करेगा।विश्व ने प्रधानमंत्री मोदी की घोषणा की सराहना करते हुए इस एफटीए को सभी समझौतों से बड़ा बताया है। यह वैश्विक अनिश्चितता के माहौल में स्थिरता को मजबूत करता है। यह भारत और यूरोपीय संघ को मुक्त बाजार, पूर्वानुमान क्षमता और समावेशी विकास के लिए प्रतिबद्ध भरोसेमंद साझीदारों के रूप में स्थापित करता है।भारत ने व्यापार मूल्य के हिसाब से यूरोपीय संघ में अपने 99 प्रतिशत से ज्यादा निर्यात के लिए अभूतपूर्व बाजार पहुंच प्राप्त की है जिससे श्रमेक इन इंडिया कार्यक्रम को बल मिलेगा। इस एफटीए से कपड़ा, रेडीमेड वस्त्र, चमड़ा, फुटवियर, समुद्री उत्पाद, रत्न और आभूषण, हस्तशिल्प, इंजीनियरी सामान और ऑटोमोबाइल जैसे श्रमसाध्य क्षेत्रों को निर्णायक मजबूती मिलेगी।इस समझौते से लगभग 33 अरब डॉलर के भारतीय निर्यात पर 10 प्रतिशत तक टैरिफ खत्म होगा। इससे कामगारों, हस्तशिल्पियों, महिलाओं, युवाओं तथा सूक्ष्म, छोटे और मझोले उपक्रमों (एमएसएमई) का सशक्तीकरण होगा। वैश्विक मूल्य श्रृंखला से भारतीय व्यवसाय ज्यादा गहराई से जुड़ेंगे और वैश्विक व्यापार में महत्वपूर्ण आपूर्तिकर्ता के रूप में भारत की भूमिका मजबूत होगी।यह समझौता व्यवसायियों और पेशेवर तबके के लिए दूसरे देशों में जाने को आसान बनाते हुए शिक्षा, सूचना प्रौद्योगिकी, वित्तीय सेवाओं और कंप्यूटर जैसे सेवा क्षेत्रों में अवसरों के नए द्वार खोलता है। इन प्रतिबद्धताओं से उच्च मूल्य वाले रोजगार के अवसरों के खुलने के साथ ही प्रतिभा, नवोन्मेष और संवहनीय आर्थिक विकास के वैश्विक केंद्र के रूप में भारत की स्थिति और मजबूत होती है।व्यापार समझौते गरीबों के जीवन को बेहतर बनाने की मोदी सरकार की व्यापक रणनीति का हिस्सा हैं। इस रणनीति में क्रांतिकारी सुधारों और विवेकपूर्ण वित्तीय प्रबंधन के जरिए अर्थव्यवस्था को मजबूत करना तथा सभी पक्षों के लिए लाभकारी समझौते के उद्देश्य से विकसित और पूरक अर्थव्यवस्थाओं के साथ बातचीत शामिल है। यह रणनीति भारत को अपनी ताकत का सही इस्तेमाल करने और उन लाभकारी बाजारों तक पहुंच बनाने में सक्षम बनाती है जो कृषि और डेयरी जैसे संवेदनशील क्षेत्रों के हितों की रक्षा करते हुए श्रमसाध्य क्षेत्रों में वृद्धि के लिए महत्वपूर्ण हैं।विकसित देशों के साथ व्यापार समझौते भारतीय उद्योगों को स्वस्थ प्रतिस्पर्धा के अवसर प्रदान करते हैं और उपभोक्ताओं को विश्व स्तरीय उत्पाद उपलब्ध कराते हैं। यूपीए सरकार ने बिना सोचे-समझे भारत के बाजार खोल दिए थे, इसके उलट मोदी सरकार ने ऐसे समझौते किए हैं जिनमें टैरिफ में कमी धीरे-धीरे की जाती है। जिससे उद्योगों को उचित नीतिगत समर्थन के साथ अपनी प्रतिस्पर्धात्मकता और गुणवत्ता में सुधार करने के लिए पर्याप्त समय मिलता है।प्रतिस्पर्धी कीमतों पर उच्च गुणवत्ता वाले उत्पादों की आपूर्ति प्रधानमंत्री के श्विकसित भारत 2047श के दृष्टिकोण का केंद्र है। पिछले सप्ताह इसी प्रतिबद्धता को दोहराते हुए प्रधानमंत्री ने कहा था: आइए, इस साल हम अपने पूरे सामर्थ्य के साथ गुणवत्ता को प्राथमिकता दें। हमारा एकमात्र मंत्र गुणवत्ता, गुणवत्ता और केवल गुणवत्ता होना चाहिए। कल की तुलना में आज और बेहतर गुणवत्ता। हम जो कुछ भी बनाते हैं, उसकी गुणवत्ता में सुधार करने का संकल्प लें।भारत-यूरोपीय संघ मुक्त व्यापार समझौता भारत को एक विकसित देश बनाने के प्रधानमंत्री मोदी के दृष्टिकोण के पूरी तरह अनुरूप है। यह भारत को वैश्विक मंच पर एक गतिशील, विश्वसनीय और दूरदर्शी भागीदार के रूप में स्थापित करता है, जो दोनों क्षेत्रों के लिए समावेशी, मजबूत और भविष्य के लिए तैयार विकास की नींव रखता है। मोदी सरकार ने सिर्फ विकसित देशों के साथ ही व्यापार समझौते किए हैं, जो कपड़ा, जूते, रत्न और आभूषण, और हस्तशिल्प जैसे भारत के प्रमुख रोजगार पैदा करने वाले क्षेत्रों के साथ प्रतिस्पर्धा नहीं करते हैं।

महाराष्ट्र की नगरपालिकाओं के चुनाव में कुछ भी नया नहीं

अजीत द्विवेदी

यह सवाल हो सकता है कि महाराष्ट्र की नगरपालिकाओं के चुनाव में ऐसा क्या है, जिसका राष्ट्रीय राजनीति के नजरिए से विश्लेषण होना चाहिए? आखिर पिछले दिनों पंजाब में स्थानीय निकाय चुनाव हुए तो सत्तारूढ़ आम आदमी पार्टी ने क्लीन स्वीप किया तो तेलंगाना में भी स्थानीय निकाय चुनाव में सत्तारूढ़ कांग्रेस पार्टी ने सफलता का परचम लहराया है। हाल के दिनों में केरल एकमात्र अपवाद है, जहां स्थानीय निकाय चुनाव में सत्तारूढ़ लेफ्ट डेमोक्रेटिक फ्रंट बुरी तरह से हारा और कांग्रेस ने बड़ी जीत दर्ज की।हालांकि उसके भी कारण स्पष्ट हैं। एलडीएफ की 10 साल की सत्ता के खिलाफ नाराजगी लोकसभा चुनाव में भी प्रकट हुई और स्थानीय निकाय चुनाव में भी प्रकट हुई। इस अपवाद के बावजूद यह एक सामान्य निष्कर्ष है कि स्थानीय निकाय चुनावों में वही जीतता है, जिसकी राज्य में सरकार होती है। शायद ही कभी इसका अपवाद होता है।इस निष्कर्ष या स्थापित राजनीतिक सिद्धांत के आधार पर देखें तो महाराष्ट्र की नगरपालिकाओं के चुनाव में कुछ भी नया नहीं है। ध्यान रहे इससे पहले आखिरी बार 2017 में महाराष्ट्र में नगर निकायों के चुनाव हुए थे और तब भी मोटे तौर पर नतीजे ऐसे ही आए थे। इसके बावजूद इस बार के चुनावों का कुछ खास संदेश है और उनका विश्लेषण होना चाहिए। इससे पहले मुंबई नगरपालिका यानी बीएमसी और अन्य शहरी निकायों के चुनाव जैसी सामान्य परिस्थितियों में होते थे इस बार वैसा नहीं था। पिछले चुनाव के बाद करीब नौ साल में महाराष्ट्र की राजनीति बहुत बदल गई है।

बीएमसी पर करीब पांच दशक तक कंट्रोल रखने वाला ठाकरे परिवार कमजोर हुआ है। शिव सेना का दो हिस्सों में विभाजन हो गया है। महाराष्ट्र की समकालीन राजनीति के सबसे बड़े नेता शरद पवार की बनाई पार्टी एनसीपी दो हिस्सों में बंट गई है। उनके भतीजे अजित पवार असली एनसीपी के मालिक हैं। इस बार का चुनाव दोनों बड़ी प्रादेशिक पार्टियों के विभाजन के बाद का पहला चुनाव था और भारतीय जनता पार्टी के महाराष्ट्र की राजनीति की केंद्रीय ताकत बनने के बाद का भी पहला चुनाव था।इस चुनाव की एक खास बात यह भी थी कि मुख्यमंत्री देवेंद्र फड़नवीस पार्टी के केंद्रीय नेतृत्व यानी नरेंद्र मोदी और अमित शाह की छाया से मुक्त होकर पहली बार स्वतंत्र रूप से अपने नेतृत्व के दम पर चुनाव लड़े। याद करें कैसे हैदराबाद नगर निगम के चुनाव में प्रचार करने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह गए थे। इस बार मोदी, शाह और योगी या भाजपा का राष्ट्रीय स्तर का कोई भी नेता प्रचार के लिए नहीं गया। अकेले देवेंद्र फड़नवीस ने पूरे राज्य में प्रचार किया। वे मुंबई, ठाणे, पुणे की गलियों में घूमे। जहां गाड़ी पहुंचने का साधन नहीं था वहां वे मोटरसाइकिल से गए। सो, इस बार के चुनाव की कामयाबी श्देवा भाऊ के रूप में देवेंद्र फड़नवीस की जगह को और मजबूत करने वाला था। विधानसभा चुनाव की जीत के बाद उनको साबित करना था कि वे महाराष्ट्र की राजनीति के चाणक्य और चंद्रगुप्त दोनों हैं। उन्होंने यह साबित किया और निश्चित रूप से इसका असर आने वाले समय में भाजपा की राष्ट्रीय राजनीति पर भी पड़ेगा।पिछले दो साल में शरद पवार और उद्धव ठाकरे के लिए चुनावी मुकाबला एक-एक की बराबरी पर छूटा था। 2024 के मई में लोकसभा चुनाव में भाजपा विरोधी महाविकास अघाड़ी ने शानदार प्रदर्शन किया था। राज्य की 48 में से 31 सीटों पर अघाड़ी की जीत हुई थी। कांग्रेस ने 13 सीटें जीतीं तो उद्धव ठाकरे की शिव सेना ने नौ और शरद पवार की एनसीपी ने आठ सीटें जीतीं। भाजपा और उसकी दोनों सहयोगी पार्टियां 17 सीटों पर सिमट गईं, जबकि चुनाव से पहले उनके पास 44 सीटें थीं। उन्होंने 27 सीट गंवाई। लेकिन उसी साल हुए विधानसभा चुनाव में महाविकास अघाड़ी साफ हो गया और भाजपा के नेतृत्व वाली महायुति ने 288 में से 230 सीटें जीत लीं। अकेले भाजपा को 132 सीटें मिलीं।एकनाथ शिंदे की पार्टी ने 51 और अजित पवार की पार्टी ने 47 सीटें जीतीं। पूरा महाविकास अघाड़ी 46 सीटों पर सिमट गया। सो, एक-एक की बराबरी के बाद नगरपालिका का चुनाव निर्णायक था। इसमें महायुति ने विधानसभा चुनाव से बेहतर प्रदर्शन किया। 29 में से 25 महानगरपालिकाओं में महायुति के मेयर बनेंगे। इससे पहले ग्रामीण निकायों के चुनाव में भी महायुति ने बहुत बड़ी जीत हासिल की थी।सो, अब महाराष्ट्र में महाविकास अघाड़ी यानी भाजपा विरोधी पार्टियों के गठबंधन को अपने भविष्य को लेकर नए सिरे से विचार करने की जरुरत है। यह इसलिए जरूरी है क्योंकि एक एक करके ऐसे राज्यों में भाजपा अपना वर्चस्व स्थापित कर रही है, जो पारंपरिक रूप से उसके मजबूत आधार वाले राज्य नहीं रहे हैं। महाराष्ट्र ऐसे ही राज्यों में से है। वहां 2014 तक लगातार 15 साल कांग्रेस के नेतृत्व वाली सरकार थी और हारने के बाद भी कांग्रेस 30 फीसदी वोट कमांड करती थी। बहुत समय नहीं बीता, जब भाजपा वहां शिव सेना के सहारे राजनीति करती थी।शिव सेना बड़े भाई की भूमिका में होती थी। लेकिन वहां भाजपा ने शिव सेना को तोड़ा और फिर शरद पवार की एनसीपी को तोड़ा और अब अकेले दम पर बाकी सभी पार्टियों की कुल जमा हैसियत के बराबर पहुंच गई है। महाराष्ट्र उसके लिए गुजरात, मध्य प्रदेश जैसा राज्य बन रहा है। बिहार भी ऐसा ही राज्य है और ओडिशा भी। भाजपा पांचवें और छठे दशक वाली कांग्रेस की तरह पूरे देश की सबसे बड़ी पार्टी बनती जा रही है और उसे रोकना कांग्रेस या प्रादेशिक क्षत्रपों के वश की बात नहीं रह गई दिखती है।जैसे जैसे यह धारणा बन रही है कि कांग्रेस या दूसरी प्रादेशिक पार्टियां भाजपा को नहीं रोक पा रही हैं और इस असफलता से घबरा से कांग्रेस के नेता भाजपा में जा रहे हैं या प्रादेशिक पार्टियां सीधे भाजपा से हाथ मिला ले रही हैं वैसे वैसे देश के मुस्लिम मतदाता नए विकल्प की तलाश तेज करते जा रहे हैं। महाराष्ट्र की नगरपालिकाओं के चुनाव में असदुद्दीन ओवैसी की पार्टी ऑल इंडिया एमआईएम को मिली कामयाबी इसका संकेत है। छत्रपति संभाजीनगर में वह दूसरे नंबर की पार्टी बनी है तो मालेगांव में पहले नंबर की पार्टी बनी है। नांदेड़ और मुंबई में भी उसने बहुत अच्छा प्रदर्शन किया। मुस्लिम बहुल इलाकों में बिना किसी हिचक के मुस्लिम मतदाताओं ने ओवैसी की पार्टी का समर्थन किया। यह परिघटना बिहार विधानसभा चुनाव में भी देखने को मिली थी। यह वैचारिक स्तर पर भी कांग्रेस और दूसरी भाजपा विरोधी पार्टियों की विफलता को रेखांकित करता है। इसका बहुत बड़ा असर आने वाले दिनों में देश की राजनीति पर पड़ेगा।

महाराष्ट्र की नगरपालिकाओं के चुनाव नतीजों का बहुत साफ संदेश ठाकरे परिवार के लिए है तो पवार परिवार के लिए भी है। दोनों तेजी से अपनी प्रासंगिकता गंवा रहे हैं। मुंबई छोड़ कर बाकी उन सभी हिस्सों से उद्धव ठाकरे की पार्टी साफ हो गई, जहां पारंपरिक रूप से शिव सेना का असर था। ठाणे और कल्याण डोंबिवली का इलाका एकनाथ शिंदे ले गए तो कोंकण का इलाका नारायण राणे के साथ चला गया। पवार परिवार ने तो पश्चिमी महाराष्ट्र और मराठावाड़ा दोनों इलाकों में अपना आधार गंवा दिया। पुणे, पिंपरी चिंचवाड़ और परभणी में शरद और अजित पवार की पार्टी मिल कर लड़े थे फिर भी कोई असर नहीं हुआ। उनकी पार्टी बुरी तरह से हारी।उद्धव ठाकरे के लिए संतोष की बात है कि मुंबई में मेयर पद भले नहीं मिला लेकिन आगे की राजनीति करने के लिए मराठा वोटों का आधार बच गया। लेकिन इससे उप राष्ट्रीयता की राजनीति की सीमाएं भी जाहिर हुई हैं। उनको भी अपनी रणनीति पर नए सिरे से विचार करना होगा। उनके दादा प्रबोधंकर ठाकरे ने बहुजन आधारित मराठी अस्मिता का वैचारिक आधार बनाया था, जिसे बाल ठाकरे ने लोकप्रिय नारों से आगे बढ़ाया। शिव सेना को भाजपा ब्रांड हिंदुत्व के समानांतर अपने हिंदुत्व की राजनीति बचानी है तो मराठी अस्मिता के साथ जातीय व सामाजिक समीकरण पर भी ध्यान देना होगा।पवार परिवार एकजुट होने पर गंभीरता से विचार कर रहा है। ऐसा करके वे मराठा राजनीति में अपनी प्रासंगिकता कितनी बनाए रख पाते हैं यह देखने वाली बात होगी।

हिन्दी दैनिक जोखिम

संक्षिप्त समाचार...

दो हत्याओं के बाद बिनारसी गांव छावनी में तब्दील

रुड़की संवाददाता. थाना क्षेत्र के ग्राम बिनारसी में हुए खौफनाक दोहरे हत्याकांड के बाद सोमवार को पूरे इलाके में सन्नाटा पसरा हुआ है। बिनारसी गांव छावनी में तब्दील नजर आई। चारों तरफ पुलिस फोर्स के अलावा कोई नजर नहीं आया। पूरे दिन लोग अपने घरों में दुबके रहे। कई लोगों ने अपनों बच्चों को स्कूल तक नहीं भेजा। इस गांव में रविवार को रविदास जयंती पर निकाली गई शोभा यात्रा के बाद भंडारे का आयोजन किया गया था। पुरानी रंजिश को लेकर यहां दो पक्षों में बवाल हो गया। पथराव के बाद यहां गोली चलाने और लाठी डंडों से किए गए हमले में दो लोगों आनंद और मांगेराम की हत्या कर दी गई। दोहरे हत्याकांड के बाद गांव में और बवाल हो गया। एक पक्ष ने दूसरे के घरों में आग तक लगा दी। इधर, इस घटना के बाद पुलिस फोर्स मौके पर पहुंची और पूरे क्षेत्र को अपने कब्जे में लेते हुए माहौल को शांत कराने के प्रयास में जुट गई। पूरी रात पुलिस फोर्स क्षेत्र में तनावपूर्ण स्थिति को देखते हुए तैनात रही। सोमवार को दोनों शवों का पंचनामा करने के बाद कड़ी पुलिस सुरक्षा के बीच पोस्टमार्टम करवाया गया। इसके बाद एक शव को गांव ले जाया गया। पहले शव का अंतिम संस्कार के कुछ घंटे बाद दूसरे शव को पुलिस गांव लेकर पहुंची। ताकि फिर से कोई विवाद ना उत्पन्न हो सके। सोमवार को पूरे दिन बिनारसी गांव छावनी में तब्दील रहा। इधर, वरिष्ठ अधिकारियों ने मौके पर पहुंचकर घटनास्थल का बारीकी से निरीक्षण किया। गांव के मुख्य चौराहों और संवेदनशील इलाकों में अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती की गई है ताकि किसी भी तरह की अप्रिय घटना या हिंसा को दोबारा भड़कने से रोका जा सके। कानून-व्यवस्था को हाथ में लेने वाले किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा। पुलिस ने ग्रामीणों से अपील की है कि वे अफवाहों पर ध्यान न दें और शांति बनाए रखने में सहयोग करें। फिलहाल, गांव में स्थिति नियंत्रण में है, लेकिन एहतियातन पुलिस की गश्त जारी है। शेखर चंद्र सुयाल, एसपी देहात

सड़क सुरक्षा माह के तहत रुड़की में जागरूकता अभियान तेज

रुड़की संवाददाता. उत्तराखंड पुलिस की ओर से आयोजित 36वें सड़क सुरक्षा माह के तहत सोमवार को भी जागरूकता अभियान चलाया गया। अभियान का उद्देश्य सड़क दुर्घटनाओं पर प्रभावी नियंत्रण करना और आमजन को यातायात नियमों के प्रति सजग बनाना है। यातायात पुलिस के अधिकारी और कर्मचारी शहर के प्रमुख चौक-चौराहों पर वाहन चालकों को नियमों का पालन करने की अपील कर, उन्हें जागरूक कर रहे हैं। सोमवार को डमडम चौक पर तैनात यातायात अपर उप निरीक्षक मनोज कुमार ने मलकपुर चुंगी स्थित टेंपो एवं ई-रिक्शा स्टैंड पर पहुंचकर वाहन चालकों के साथ संवाद किया। उन्होंने चालकों को यातायात सुरक्षा नियमों की विस्तृत जानकारी देते हुए कहा कि सड़क दुर्घटनाओं को रोकना अत्यंत आवश्यक है और इसके लिए प्रत्येक नागरिक को अपनी जिम्मेदारी समझनी होगी। उन्होंने कहा कि नियमों की अनदेखी न केवल चालक के लिए बल्कि सड़क पर चलने वाले अन्य लोगों के लिए भी खतरा बन सकती है। वाहन चालकों को सख्त निर्देश देते हुए कहा कि किसी भी स्थिति में वाहन में ओवरलोडिंग न करें और वाहन की बॉडी से बाहर सामान न लादें। उन्होंने विशेष रूप से रात्रि के समय तथा कोहरे की स्थिति में वाहन पर रिफ्लेक्टर और पीली लाइट का प्रयोग अनिवार्य रूप से करने की अपील की। उन्होंने कहा कि इन छोटे-छोटे उपायों से बड़ी दुर्घटनाओं को रोका जा सकता है। यातायात पुलिस ने वाहन चालकों से नियमों का पालन करने और सुरक्षित ड्राइविंग को अपनाने की अपील की है। पुलिस का कहना है कि जागरूकता के साथ-साथ नियमों का कड़ाई से पालन ही सड़क सुरक्षा सुनिश्चित कर सकता है।

रोडवेज की बसें कम होने से यात्री परेशान

रुड़की संवाददाता. रुड़की रोडवेज बस अड्डे से संचालित चार अनुबंधित बसों का अनुबंद खत्म होने से यह बसें दो दिन पहले डिपो के बेड़े से बाहर हो गई है। ऐसे में बसों की कमी के चलते यात्रियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। सबसे अधिक दिक्कत देहरादून रूट पर जाने वाले यात्रियों को हो रही है। रोडवेज बस अड्डे से वर्तमान में कुल 17 अनुबंधित बसें संचालित होती हैं, जिनमें से कुछ सीएनजी बसें दिल्ली रोड की ओर जाती हैं, जबकि कुछ बसें रुड़की से देहरादून मार्ग पर संचालित होती हैं। इन अनुबंधित बसों में से चार बसों का अनुबंध 31 जनवरी में समाप्त हो गया था। अनुबंध की अवधि खत्म होने के बावजूद अब तक इन बसों का नवीनीकरण नहीं हो सका है, जिसके चलते चारों बसें पूरी तरह से बेड़े से बाहर हो गई हैं। इसका सीधा असर देहरादून मार्ग पर पड़ रहा है, जहां पहले से ही यात्रियों की संख्या अधिक रहती है। बसों की कमी के कारण देहरादून जाने वाले यात्रियों को लंबा इंतजार करना पड़ रहा है। कई बार यात्रियों को खचाखच भरी बसों में सफर करने को मजबूर होना पड़ता है, जबकि कई यात्री समय पर बस न मिलने के कारण निजी वाहनों या महंगे साधनों का सहारा लेने को विवश हैं। खासकर कार्यालय जाने वाले कर्मचारियों, छात्रों और मरीजों को सबसे अधिक दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है।

गाजे बाजे और मनमोहन सुंदर झांकियों के साथ निकली शोभायात्रा

रुड़की संवाददाता. थाना क्षेत्र के गांवों में संत शिरोमणि रविदास जयंती पर शोभायात्रा धूमधाम के साथ सोमवार को निकाली गई । ग्राम भक्तोवाली में स्थित संत शिरोमणि रविदास मंदिर परिसर में हवन यज्ञ के बाद शोभायात्रा का शुभारंभ गाजे-बाजे और मनमोहन सुंदर झांकियों के साथ किया गया। झबरेड़ा थाना क्षेत्र के गांव फखरेडी, बेहडेकी सैदाबाद, भलस्वागाज, नूरपुर बूढ़पुर व ग्राम भक्तोंवाली में संत शिरोमणि रविदास मंदिर प्रांगण में हवन यज्ञ के बाद 649वीं संत रविदास जयंती पर शोभायात्राएं निकाली गई। ग्राम भक्तोवाली में स्थित रविदास मंदिर से मुख्य अतिथि विधायक विरेंद्र जाती, विशिष्ट अतिथि डॉ. गौरव चौधरी व भीम आर्मी प्रदेश अध्यक्ष महक सिंह ने रिबन काटकर शोभायात्रा का शुभारंभ किया। शोभायात्रा गांव के गली मोहल्ले में होती हुई कस्बा झबरेड़ा में स्थित अमर जवान चौक, बस अड्डा, मुख्य बाजार से पुराना बाजार मोहल्ला छावनी होते हुए कस्बे में स्थित रविदास मंदिर से शिव चौक होते हुए मुख्य मार्ग से ग्राम भक्तोंवाली में स्थित रविदास मंदिर पर ही समापन हुआ। शोभायात्रा में एक दर्जन से भी अधिक बैंड बाजे तथा मनोहर झांकियां शामिल रही। इस दौरान मंदिर प्रांगण में प्रसाद के रूप में भंडारा भी दिया गया। भीम आर्मी प्रदेश उपाध्यक्ष सुशील पाटिल ने बताया कि यह दिन समानता और सामाजिक सुधार के लिए प्रसिद्ध संत रविदास के विचारों को याद करने के लिए मनाया जाता है। बताया कि संत शिरोमणि रविदास जयंती को एक बड़े त्यौहार के रूप में मनाया जाता है। शोभायात्रा मे सभी ग्रामवासी अपनी भूमिका बढ़-चढ़कर निभाते हैं। शोभायात्रा के दौरान शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए झबरेड़ा थानाध्यक्ष अजय शाह द्वारा कमान संभालते हुए पुलिस बल का विशेष इंतजाम किया गया ताकि शोभायात्रा शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हो सके। इस अवसर पर समिति अध्यक्ष अजब सिंह, ग्राम प्रधान प्रमोद महाजन, नीटू कोशिवा, रविकांत, ललित कुमार, सुधीर कोशिवा, रवि समेत समस्त ग्रामवासी मौजूद रहे।

स्कूल बस की टक्कर से बाइक सवार कर्मचारी घायल

रुड़की संवाददाता. पुरकाजी-हरिद्वार हाईवे पर प्राइवेट स्कूल की बस ने बाइक को टक्कर मार दी। इस हादसे में बाइक चल रहा कंपनी कर्मचारी गंभीर रूप से घायल हो गया। उसे हरिद्वार के अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उसकी हालत अभी खतरे में बताई जा रही है। लक्सर कोतवाली के महेश्वरी गांव के 32 वर्षीय संदीप रोशनाबाद, हरिद्वार की एक प्राइवेट कंपनी में कर्मचारी है। सोमवार सुबह 8-9 बजे के बीच वह ड्यूटी जाने के लिए बाइक पर घर से निकला था। लक्सर-हरिद्वार हाईवे पर दाबकी मोड के पास एक स्कूल बस ने उसकी बाइक को अपनी चपेट में ले लिया। इस हादसे में संदीप गंभीर रूप से घायल हो गया। वहां से जा रही कॉलेज की छात्राएं उसे एक वाहन से लेकर लक्सर के नर्सिंग होम में लाई। वहां जांच के बाद डॉक्टर ने उसे गंभीर बताकर हायर सेंटर रेफर कर दिया। बाद में परिजनो ने उसे लेकर हरिद्वार के भूमानंद अस्पताल में भर्ती कराया। उसके भाई सागर ने बताया कि उसको आईसीयू में भर्ती किया गया है। डॉक्टर अभी उसकी हालत खतरे में बता रहे हैं। उधर कस्बा चौकी प्रभारी विपिन कुमार का कहना है कि दुर्घटना की मौखिक सूचना मिली है। तहरीर मिलेगी तो आगे की कार्रवाई की जाएगी।

तय समय से पहले पूरा करें रेल परियोजना का निर्माण

ऋषिकेश संवाददाता. निर्माणाधीन ऋषिकेशख्रकर्णप्रयाग रेल परियोजना की समीक्षा के लिए सोमवार को रेल विकास निगम लिमिटेड (आरवीएनएल) के सीएमडी सलीम अहमद ऋषिकेश पहुंचे। उन्होंने नौ पैकेजों में चल रहे निर्माण कार्यों की प्रगति की जानकारी निगम के इंजीनियरों और निजी एजेंसियों के अधिकारियों से सिलसिलेवार ली और तय समयसीमा में कार्य पूरा करने के निर्देश दिए। हरिद्वार बाईपास मार्ग स्थित आरवीएनएल कार्यालय में उन्होंने मुख्य परियोजना प्रबंधक हिमांशु बड़ोनी की मौजूदगी में समीक्षा बैठक की। बैठक में रेल लाइन के लिए सुरंगों के निर्माण और ट्रैक से संबंधित कार्यों का फीडबैक लिया गया। सीएमडी ने परियोजना को सुरक्षित और गुणवत्तापूर्ण बनाने पर विशेष जोर देते हुए कहा कि निर्माण कार्य दिसंबर 2028 से पहले पूरा किया जाए। उन्होंने बताया कि पहाड़ों में सुरक्षित आवागमन और सामरिक दृष्टि से यह परियोजना अत्यंत महत्वपूर्ण है। सुरंगों से संबंधित अधिकांश कार्य पूरे हो चुके हैं, जबकि कुछ सुरंगों का निर्माण अभी शेष है। अधिकारियों को विषम भौगोलिक परिस्थितियों के बावजूद परियोजना का कार्य शीघ्र पूरा करने के निर्देश दिए गए हैं। मंगलवार को ढालवाला से देवप्रयाग तक निर्माण कार्यों की जमीनी स्थिति का निरीक्षण भी किया जाएगा। मौके पर निगम के जीएम हेमेंद्र कुमार, पामीर अरोड़ा, सुमित जैन, एजीएम ओपी मालगुड़ी सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे। स्टेशनों के निर्माण में आई तेजी वर्ष 2020 से उत्तराखंड में शुरू हुई करीब 126 किलोमीटर लंबी इस रेल परियोजना में दो हजार करोड़ रुपये से अधिक खर्च किए जा रहे हैं। आरवीएनएल ने धारी देवी, तिलनी, घोलतीर और गौचर स्टेशनों के निर्माण के लिए टेंडर की प्रक्रिया को भी पूरा कर लिया है। जनवरी में ही यह प्रक्रिया पूरी होने के साथ ही 126 करोड़ रुपये की लागत दो साल के भीतर इन आधुनिक स्टेशनों का निर्माण पूरा करना होगा। मालूम हो कि, परियोजना में कुल 13 स्टेशन हैं। इन 13 स्टेशनों में वीरभद्र स्टेशन भी शामिल है। इसी स्टेशन से ऋषिकेश-कर्णप्रयाग परियोजना के ट्रैक को जोड़ा गया है। 19 में से 8 रेल ब्रिज का काम पूरा रेल परियोजना में 19 रेल ब्रिज हैं। इनमें से चंद्रभागा, शिवपुरी, गूलर, ब्यासी, कोड़ियाला, पौड़ी नाला, लक्ष्मोली और श्रीनगर पुल बनकर तैयार हो चुके हैं। 11 पुलों का निर्माण भी लगभग 65 फीसदी पूरा हो चुका है। वर्ष 2026 के अंत तक सभी पुलों के निर्माण का लक्ष्य रखा गया है। वहीं, शिवपुरी और ब्यासी रेलवे स्टेशनों का निर्माण कार्य भी शुरू हो चुका है। उधर, परियोजना में सुरंगों की खुदाई कार्य लगभग 95 प्रतिशत से अधिक हो चुका है, जिनमें अब ट्रैक बिछाने की प्रक्रिया भी चल रही है।

विधि विश्वविद्यालय की भूमि अन्य को देने का विरोध

ऋषिकेश संवाददाता. न्याय पंचायत रानीपोखरी के लिस्ट्राबाद स्थित भटनगरी में विधि विश्वविद्यालय के लिए आवंटित भूमि अन्य प्रयोजन के लिए देने का प्रधान संगठन ने विरोध किया है। उन्होंने 15 दिन में राज्य सरकार के इस फैसले को निरस्त नहीं होने पर चरणबद्ध आंदोलन शुरू करने की चेतावनी दी है। इस बाबत प्रधानमंत्री के नाम एक ज्ञापन भी एसडीएम को सौंपा है। सोमवार को तहसील मुख्यालय में प्रधान संगठन न्याय पंचायत रानीपोखरी अध्यक्ष अनूप चौहान सदस्यों के साथ पहुंचे। उन्होंने एसडीएम योगेश मेहरा से ज्ञापन सौंप बताया कि भटनगरी में विधि विश्वविद्यालय की स्थापना के लिए वर्ष 2016 में तत्कालीन मुख्यमंत्री त्रिवेंद्र सिंह रावत ने शिलान्यास किया था। जानकारी मिली है कि सरकार अब इस भूमि को अन्य प्रयोजन के लिए किसी को आवंटित कर रही है। बताया कि इस फैसले से क्षेत्र के लोगों में भारी आक्रोश व्याप्त है। कहा कि यह क्षेत्र के उन युवाओं के भविष्य के साथ भी खिलवाड़ है, जो कि अपने घर के पास विधि की पढ़ाई का सपना देख रहे हैं। ज्ञापन सौंपने वालों में भोगपुर प्रधान चांद खान, आनंद सिंह राणा, स्वीटी रावत, पूनम आदि शामिल थे।

हिन्दी दैनिक जोखिम

महोत्सव के विरोध में व्यापारियों ने किया बाजार बंद

उत्तरकाशी संवाददाता. चौंड में आयोजित सात दिवसीय नगर महोत्सव के विरोध में व्यापारियों ने बाजार बंद रखकर शहीद स्मारक में धरना दिया। व्यापारियों ने नगर पंचायत के खिलाफ नारेबाजी करते हुए मेला स्थगित करने की मांग की। तहसील प्रशासन ने नगर पंचायत अध्यक्ष व व्यापारियों से वार्ता की। विरोध को देखते हुए नगर पंचायत अध्यक्ष ने मेला सात के बजाय अब पांच ही दिन करने का आश्वासन दिया। लंबगांव नगर पंचायत की ओर से चौंड में एक से सात फरवरी तक नगर महोत्सव शुरू किया गया है। व्यापारियों का कहना है कि महोत्सव/मेले को लेकर व्यापारियों को विश्वास नहीं लिया गया है। मेले में लगाए गए स्टाल भी बाहर के व्यापारियों को आवंटित किए गए हैं। व्यापारियों ने सोमवार को बाजार बंद कर शहीद स्मारक पर एकत्रित होकर धरने पर बैठे और नगर पंचायत के खिलाफ नारेबाजी कर मेला स्थगित करने की मांग की। तहसीलदार आनंदपाल व्यापारियों से वार्ता करने पहुंचे लेकिन व्यापारियों ने उनकी एक नहीं सुनी और चक्काजाम करने लगे। वहां मौजूद थानाध्यक्ष महीपाल रावत ने व्यापारियों को किसी तरह शांत कराया और जाम खुलवाया। उसके बाद तहसीलदार नगर पंचायत अध्यक्ष रोशन रांगड़ के साथ व्यापारियों से वार्ता करने पहुंचे। त्रिपक्षीय वार्ता में व्यापार मंडल और नगर पंचायत के बीच मेला सात के बजाए पांच फरवरी तक ही आयोजित करने पर सहमति बनी। उसके बाद व्यापारियों ने बाजार खोल दिया। व्यापार मंडल अध्यक्ष राजीव पंवार ने कहा कि व्यापारी अपने हितों की रक्षा के लिए हमेशा एकजुट रहेंगे। नगर पंचायत अध्यक्ष रोशन रांगड़ ने कहा कि इस तरह के मेले को लेकर लोगों में काफी उत्साह है। साथ ही रोजगार के अवसर भी पैदा होते हैं। भविष्य में इस प्रकार के मेले में व्यापार मंडल की भागीदारी सुनिश्चित की जाएगी। इस मौके पर युद्धवीर राणा, केदार सिंह राणा, अर्जुन बिष्ट, रमेश रावत, अमन राणा, कविराज बगियाल, जगदीप रावत, सौरभ रावत, धर्म सिह रांगड़, सुनील रावत, रविंद्र कंडियाल, जयवीर बिष्ट, सुरेंद्र रावत और विजय रावत आदि मौजूद थे।

शिक्षकों ने सरकारी विद्यालयों पर घटती छात्रसंख्या पर की चिंता व्यक्त

उत्तरकाशी संवाददाता. प्राथमिक शिक्षक संघ के जिला और सभी विकासखंड के कार्यकारिणी की संयुक्त बैठक का आयोजन किया गया। इसमें शिक्षकों ने प्राथमिक स्कूलों में घट रही छात्र संख्या पर चिंता व्यक्त की। इसके लिए संगठन की ओर से प्रदेश की शिक्षा को लेकर चलाई जा रही योजनाओं और शैक्षिक गुणवत्ता में सुधार करने के लिए नवाचार के लिए प्रयास किए जाने चाहिए। जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान बड़कोट में प्राथमिक शिक्षक संघ की जिला कार्यकारिणी के पदाधिकारियों ने जनपद के छह विकासखंडों के पदाधिकारियों के साथ एक बैठक आयोजित की गई। वक्ताओं ने अपने अपने विकासखंड के शिक्षकों की समस्याएं, छात्र हितों के लिए सुझाव, स्कूलों में भौतिक संसाधनों पर विचार, घटती छात्र संख्या पर मंथन, शिक्षकों की वरिष्ठता, वेतन आदि अवशेष भुगतान आदि के समाधान की मांग उठाई। साथ ही शिक्षकों के समायोजन, वर्तमान में नई नियुक्तियों पर चर्चा की गई। इस मौके पर संघ के जिला अध्यक्ष जयदेव राणा, महामंत्री जनक बिष्ट, विजेंद्र पंवार, वरिष्ठ उपाध्यक्ष दिनेश चौहान, वीरेंद्र नेगी, श्रीराम बिष्ट, ओम प्रकाश रावत, प्रसन्ना डोभाल, आनंद सिंह नेगी आदि मौजूद रहे।

डायट बड़कोट में प्रतिभा दिवस मेले का शुभारंभ

उत्तरकाशी संवाददाता. जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान डायट बड़कोट में जनपद स्तरीय दो दिवसीय प्रतिभा दिवस मेले का शुभारंभ बतौर मुख्यातिथि यमुनोत्री विधायक संजय डोभाल ने किया। प्रतिभा दिवस मेले में जनपद के छह विकासखंडों से चयनित प्रतिभाशाली बच्चों ने तैयार किए गए शैक्षणिक व नवाचार आधारित मॉडलों की प्रदर्शनी लगाई। मेले के माध्यम से बच्चों की रचनात्मक क्षमता, वैज्ञानिक सोच और नवाचार को प्रोत्साहित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि यमुनोत्री विधायक संजय डोभाल ने प्रतिभा विकास मेले में लगी टीएलएम की प्रदर्शनी निरीक्षण कर अवलोकन किया।

हुडोली बाजार में नशे के खिलाफ प्रशासन से कार्रवाई की मांग

कोटद्वार संवाददाता. हुडोली बाजार क्षेत्र में बढ़ते नशे के कारोबार से परेशान महिला मंगल दल से जुड़ी महिलाओं ने पुरेला तहसील पहुंचकर उपजिलाधिकारी को शिकायती पत्र सौंपा। महिलाओं ने आरोप लगाया कि बाजार में खुलेआम कच्ची व पक्की शराब के साथ-साथ भांग और स्मैक जैसे नशीले पदार्थ परोसे जा रहे हैं जिससे क्षेत्र का सामाजिक माहौल बुरी तरह प्रभावित हो गया है। सोमवार को ज्ञापन देने पहुंची महिलाओं ने बताया कि नशे के आदि लोग दिन-रात बाजार में घूमते रहते हैं और नशे की हालत में गाली-गलौज व अभद्र व्यवहार करते हैं।

अधिकारियों के गैरहाजिर रहने पर जनप्रतिनिधियों में रोष

कोटद्वार संवाददाता. साझासैंण स्थित ब्लॉक मुख्यालय के सभागार में क्षेत्र पंचायत समिति दुगड्डा की बैठक में पेयजल, वन्यजीवों से मानव व फसल सुरक्षा, नदियों में बाढ़ सुरक्षा कार्य करवाने के मुद्दे छाए रहे। जनप्रतिनिधियों ने बैठक में सक्षम विभागीय अधिकारियों के उपस्थित न होने पर गहरा रोष जताया। सोमवार को ब्लॉक प्रमुख सूरज सिंह नेगी की अध्यक्षता में क्षेत्र पंचायत की बैठक हुई। गौला मल्ला की प्रधान रश्मि थपलियाल, बादकोट के प्रधान राजेश काला व देवलखाल के प्रधान वारिस अहमद ने विभाग की ओर से उनके गांवों में पेयजल लाइन बिछाने का कार्य मानकों के अनुरूप नहीं करने की बात कही। ज्येष्ठ उप प्रमुख सुनील सिंह नेगी ने कहा कि जो विभाग जनसमस्याओं का निस्तारण कर सकते हैं, सिर्फ उन्हें ही बैठक में बुलाया जाए। जिला पंचायत सदस्य सीमा भंडारी एवं सिमलचौड़ की प्रधान रजनी देवी ने कहा कि नगर पालिका दुगड्डा की ओर से सिलगाड, लंगूरगाड व खोह नदी में कराए जा रहे तटबंधों के चौड़ीकरण कार्य से गोदी छोटी, सरुड़ा सकाली में खतरा उत्पन्न हो गया है। पठूड़ अकरा की प्रधान मंजू नेगी ने कहा कि पौखाल में लोनिवि ने सड़क को तोड़ दिया था। सीला की प्रधान किरन देवी ने सीला से फुलणसैंण गांव तक ढाई किमी. सड़क के डामरीकरण की मांग की।

सरकार पर बरसा डिप्लोमा इंजीनियर्स महासंघ

कोटद्वार संवाददाता. डिप्लोमा इंजीनियर्स महासंघ ने प्रांतीय नेतृत्व के आह्वान पर कोटद्वार और सतपुली में बैठक कर सरकार पर उनकी 27 सूत्री मांगों के निराकरण की मांग की। कहा कि समस्याओं के समाधान के लिए महासंघ द्वारा सरकार और शासन स्तर पर लगातार प्रयास किए जा रहे हैं लेकिन कोई परिणाम नहीं निकल पा रहा है। महासंघ के जिलाध्यक्ष कौशिद अली ने बताया कि सोमवार को कोटद्वार, सतपुली के साथ ही पौड़ी और श्रीनगर स्थित सभी शाखाओं में बैठक हुई। मांगों के निराकरण के लिए उत्तराखंड डिप्लोमा इंजीनियर्स महासंघ द्वारा दो से 23 फरवरी तक प्रथम चरण का आंदोलन शुरू कर दिया गया है। बैठक में 27 सूत्री मांगों पर विस्तार पूर्वक चर्चा की गई और आगामी कार्यक्रम की रुपरेखा तैयार की गई। बैठक में समस्त तकनीकी विभागों में कार्यरत डिप्लोमा इंजीनियर्स (अधिशासी अभियंता, सहायक अभियंता, अपर सहायक अभियंता एवं कनिष्ठ अभियंता शामिल रहे। आगामी 10 और 18 फरवरी को गढ़वाल मंडल के समस्त जनपद मुख्यालयों पर डिप्लोमा इंजीनियर्स द्वारा एक दिवसीय धरना कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। इस मौके पर प्रांतीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष राजेन्द्र चौहान, जनपद सचिव पौड़ी पूजा नेगी, शाखा अध्यक्ष कोटद्वार आशीष असवाल, शाखा अध्यक्ष पौड़ी सुमित नेगी, शाखा अध्यक्ष सतपुली कुंवर सिंह रावत मौजूद रहे।

एक साल में ही उखड़ गया संग्राली मोटर मार्ग का डामर

उत्तरकाशी संवाददाता. वरुणावत पर्वत के शीर्ष पर स्थित संग्राली गांव को जोड़ने वाले संग्राली मोटर मार्ग पर पिछले साल हुआ डामरीकरण उखड़ने लगा है। एक जगह पर तो सड़क पर बड़ा गड्ढा भी हो गया है जो आए दिन हादसे को न्योता दे रहा है। ग्रामीणों ने डामरीकरण कार्य की गुणवत्ता पर सवाल उठाते हुए विभाग से जल्द मार्ग के क्षतिग्रस्त हिस्से को ठीक करने की मांग की है। लोक निर्माण विभाग भटवाड़ी के अधिकारियों का कहना है कि सड़क पर बने गड्ढे और क्षतिग्रस्त दीवार निर्माण के लिए टेंडर प्रक्रिया पूरी हो गई और एक दो दिन के भीतर सड़क सुधारीकरण का काम चालू हो जाएगा। जिला मुख्यालय से करीब 12 किमी दूर संग्राली गांव को जोड़ने वाला संग्राली मोटर मार्ग पर गड्ढा लंबे समय से बना है। ग्रामीणों का कहना है कि सड़क पर दीवार भी क्षतिग्रस्त है। संग्राली मोटर मार्ग न सिर्फ ग्रामीणों की आवाजाही का साधन है बल्कि यहां वरुणावत पर वी-टॉप के नाम से प्रचलित पर्यटक स्थल के दीदार को हर दिन सैकड़ों की संख्या में पर्यटक पहुंचते हैं। पूर्व प्रधान संदीप सेमवाल ने बताया कि पिछले साल ही विभाग ने सड़क पर डामरीकरण का कार्य करवाया था लेकिन सड़क की हालत बता रही है कि खराब गुणवत्ता की पेंटिंग इसमें हुई है। लोनिवि भटवाड़ी के अधिशासी अभियंता नवीन लाल वर्मा का कहना है कि सड़क के क्षतिग्रस्त हिस्से को ठीक करने के लिए ठेकेदार मंगलवार या बुधवार से काम शुरू कर देगा।

हुडोली बाजार में नशे के खिलाफ प्रशासन से कार्रवाई की मांग

उत्तरकाशी संवाददाता. हुडोली बाजार क्षेत्र में बढ़ते नशे के कारोबार से परेशान महिला मंगल दल से जुड़ी महिलाओं ने पुरोला तहसील पहुंचकर उपजिलाधिकारी को शिकायती पत्र सौंपा। महिलाओं ने आरोप लगाया कि बाजार में खुलेआम कच्ची व पक्की शराब के साथ-साथ भांग और स्मैक जैसे नशीले पदार्थ परोसे जा रहे हैं जिससे क्षेत्र का सामाजिक माहौल बुरी तरह प्रभावित हो गया है। सोमवार को ज्ञापन देने पहुंची महिलाओं ने बताया कि नशे के आदि लोग दिन-रात बाजार में घूमते रहते हैं और नशे की हालत में गाली-गलौज व अभद्र व्यवहार करते हैं। उपजिलाधिकारी मुकेश रमोला ने महिलाओं की शिकायत को गंभीरता से लेते हुए उचित कार्रवाई का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि मामले की जांच कर संबंधित विभागों व पुलिस को आवश्यक निर्देश दिए जाएंगे। पत्र पर शांति देवी, रीता देवी, गीता देवी, कृष्णा देवी, रामप्यारी देवी लीला देवी, निर्मला देवी, सीमा देवी आदि के हस्ताक्षर हैं।

भड़कोट गांव में शराब परोसने पर होगा सामाजिक बहिष्कार

उत्तरकाशी संवाददाता. विकासखंड चिन्यालीसौड़ के ग्राम पंचायत भड़कोट में शादी-विवाह समारोह और धार्मिक आयोजन में सार्वजनिक रूप से शराब परोसे जाने वालों का सामाजिक बहिष्कार किया जाएगा। इस नियम का उल्लंघन करने वालों पर अर्थदंड लगेगा। ग्राम पंचायत भड़कोट की आम बैठक में शराब के बढ़ते प्रचलन से चिंतित ग्रामीणों ने आम बैठक में फैसला लिया कि गांव में शादी और अन्य मांगलिक कार्यों में शराब पीने और पिलाने का पूरी तरह बहिष्कार किया जाएगा। चुनावों में भी राजनीतिक प्रत्याशी की ओर से शराब परोसने वाले का गांव में कड़ा विरोध किया जाएगा। शराब परोसने की गतिविधि में किसी परिवार की संलिप्तता पाई गई तो उस परिवार का सामाजिक बहिष्कार करने का निर्णय लिया गया। ग्रामीणों ने सर्वसहमति से आम बैठक में यह प्रस्ताव पारित किया और उल्लंघन पर अर्थदंड का प्रावधान भी रखा। इस मौके पर ग्राम प्रधान जितेन्द्र सिंह बिष्ट, जिला पंचायत सदस्य शिवराज बिष्ट, क्षेत्र पंचायत सदस्य रविन्द्र राणा, कविता, सरला मौजूद थे।

टौंस वन प्रभाग के कर्मियों को दिया क्षमता विकास का प्रशिक्षण

उत्तरकाशी संवाददाता. टौंस वन प्रभाग के फ्रंटलाइन अधिकारियों एवं वन कर्मियों की कार्यक्षमता बढ़ाने के उद्देश्य से मोरी सांद्रा रेंज परिसर में एक दिवसीय क्षमता विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। बीते रविवार को आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम में ठडियार, सांद्रा, सिगतूर सहित विभिन्न क्षेत्रों से आए वन दरोगाओं एवं वन आरक्षियों को वन एवं वन्य जीव संरक्षण से जुड़े कानूनों, नियमों व उनके व्यवहारिक पहलुओं की जानकारी दी गई। प्रशिक्षण में वन विशेषज्ञ एवं सेवानिवृत्त डीएफओ रंगनाथ पांडेय और एसपी सिंह ने बताया कि भारतीय वन अधिनियम एवं वन्य जीव संरक्षण अधिनियम केवल दंडात्मक कानून नहीं हैं बल्कि संरक्षण और पारिस्थितिक संतुलन की भावना पर आधारित है।

बिजली के खंभे से सिर टकराने से बाइक सवार युवक की मौत

कोटद्वार संवाददाता. भाबर के रामदयालपुर में रविवार रात एक युवक की बाइक नाली में गिर गई। इसी दौरान उसका सिर बिजली के खंभे से टकरा गया जिससे उसकी मौक पर ही मौत हो गई। दुर्घटना में झंडीचौड़ उत्तरी निवासी एक युवक की मौत हो गई। सूचना मिलते ही स्थानीय निवासी और चौकी पुलिस मौके पर पहुंची।कण्वघाटी पुलिस चौकी इंचार्ज राजाराम डोभाल ने बताया कि झंडीचौड़ उत्तरी निवासी शमशेर सिंह (36) पुत्र महावीर सिंह ग्रोथ सेंटर स्थित एक कंपनी में कार्यरत था। रविवार देर रात करीब साढ़े नौ बजे वह कंपनी से अपने घर की ओर आ रहा था। तेज रफ्तार होने से बाइक का संतुलन बिगड़ गया जिससे उसकी बाइक सड़क किनारे नाली में घुस गई।

गंदे पानी के नलों में आने से लोग दूषित पानी पीने पर विवशगंदे पानी के नलों में आने से लोग दूषित पानी पीने पर विवश

हल्द्वानी संवाददाता. अखिल भारतीय किसान महासभा बागजाला ग्राम कमेटी के एक प्रतिनिधिमंडल ने जल संस्थान लालकुआं डिवीजन के अधिशासी अभियंता से गोरापड़ाव स्थित उनके कार्यालय में मुलाकात कर वार्ता की. बागजाला (गौलापार) में बुरी तरह क्षतिग्रस्त पाइप लाइन जिसके कारण गंदे पानी के नलों में आने से लोग दूषित

पानी पीने पर विवश हो रहे हैं, की मरम्मत किये जाने की मांग की गई. भाकपा माले नैनीताल जिला सचिव डॉ कैलाश पाण्डेय ने कहा कि, बागजाला के ग्रामीण टूटी पाइप लाइन के चलते नाली का गंदगी मिश्रित पानी पीने को विवश हैं. स्वच्छ पेयजल जनता का बुनियादी अधिकार है जिसे उनको मिलना ही चाहिए. उन्होंने सवाल उठाया कि क्या दूषित पेयजल पीने से मध्य प्रदेश के इंदौर जैसी गंभीर दुर्घटना होने के बाद प्रशासन की नींद खुलेगी?किसान महासभा के बागजाला सचिव वेद प्रकाश ने कहा कि, जल जीवन मिशन का कार्य अधूरा पड़ा है जिससे ग्राम वासियों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है. साथ ही विभाग द्वारा बिछायी गई पुरानी पाइप लाइन की हालत बेहद खराब है. जगह जगह से पाइप लाइन टूटने के चलते पानी की बर्बादी हो रही है और घरों में पानी की सप्लाई में बाधा आ रही है. जिससे बागजाला वासियों के समक्ष पेयजल का संकट लगातार बना हुआ है. जल संस्थान अधिशासी अभियंता ने आश्वासन दिया कि शीघ्रता से क्षतिग्रस्त पाइप लाइन की मरम्मत की जायेगी. इससे पहले किसान महासभा के प्रतिनिधिमण्डल ने गांव में सिंचाई की गूल/नहरों की मरम्मत के लिए लघु सिंचाई के अधिशासी अभियंता के कार्यालय में भी ज्ञापन दिया. इस दौरान माले जिला सचिव डॉ कैलाश पाण्डेय, किसान महासभा बागजाला सचिव वेद प्रकाश, पूर्व प्रधानाचार्य गणेश राम, कोषाध्यक्ष मीना भट्ट, हेमा देवी, प्रचार सचिव पंकज चौहान, चन्दन सिंह मटियाली, दिनेश पांडे, प्रेम सिंह नयाल, हेमा आर्य, मंजू टम्टा आदि शामिल रहे.

उर्दू किताब मशायक ऐ इकराम वा वालिदेने इजाम का विमोचन

रामनगर संवाददाता. नगर के उर्दू शायर अलहाज हाफिज मुम्ताज अंजुम के द्वारा लिखित उर्दू किताब मशायक ऐ इकराम वा वालिदेने इजाम का विमोचन किया गया। मौहल्ला गुलरघट्टी आर्दश कालोनी स्थित मुस्तफा

मस्जिद मे वहाँ के इमाम मौलाना कारी नाजिम के संचालन मे रामनगर जामा मस्जिद के पेश इमाम व शहर काजी मुफ्ती गुलाम मुस्तफा नईमी की सदारत मे मुनाकिद हुये प्रोग्राम मे उक्त किताब का विमोचन किया गया। किताब के लेखक जनाब अंजुम ने बताया कि इस किताब मे उनके द्वारा आदि नात, मनकवत, सफर ऐ हज मौजू पर पर अपने ख्यालत का इजहार किया गया है। प्रोग्राम मे आये उलेमाओ ने उक्त किताब की जमकर तारीफ करते हुये उसे नज्म व नस्र की एक मुक्कमल किताब बताया। इस मौके पर रामनगर के शहर काजी मुफ्ती गुलाम मुस्तफा नईमी, मुफ्ती जुनैद, जामिया नईमियॉं मुरादबाद के मुफ्ती सुलेमान, मुफ्ती वाकर, मुफ्ती मकबूल, मौलाना रईस, सूफी इकबाल, मुफ्ती सलीम सैफी, हाफिज कसीमुद्दीन, मौ. अतीक, मौ. शहनवाज, हाफिज यामीन, अजीम अंसारी, मौ. साकिब उजाला, मौ. रिजवान अंसारी, डॉ. अशफाक अंसारी, उमर कादरी, डॉ. जफर सैफी, डॉ. राशिद अंसारी, तस्वुर हुसैन, मौ. फाजिल आदि मौजूद रहे।

क्षेत्रवासियों ने नगर निगम के खिलाफ प्रदर्शन किया

हल्द्वानी संवाददाता.शहर के रामपुर रोड क्षेत्र स्थित पर्वतीय मोहल्ला, गली नंबर-11, फेस-2 में सड़क व नालियों की बदहाल स्थिति को लेकर क्षेत्रवासियों ने नगर निगम के खिलाफ प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों का आरोप है कि वर्ष 2014 के बाद से

आज तक सड़क और नालियों का कोई निर्माण कार्य नहीं हुआ, जिससे बरसात के दिनों में नालियों का गंदा पानी घरों के भीतर घुस रहा है और जर्जर सड़कों के कारण दुर्घटनाओं का खतरा बना रहता है।समाजसेवी व पूर्व पार्षद प्रत्याशी अंजलि वर्मा ने बताया कि दुर्भाग्यवश अब तक सड़क एवं नालियों के पुनर्निर्माण के लिए कोई धनराशि स्वीकृत नहीं हुई है। उन्होंने आरोप लगाया कि विधायक सुमित हृदयेश, सांसद अजय भट्ट, मेयर गजराज बिष्ट और पार्षद राजेंद्र अग्रवाल केवल चुनाव के समय वोट मांगने आते हैं और उसके बाद पांच वर्षों तक क्षेत्रा की सुध नहीं लेते।

भीमताल विधायक राम सिंह कैड़ा की माता पंचतत्व मै हुई विलीन

संवाददाता. ढोलीगाँव कांडा क्षेत्र से 2008 मै क्षेत्र पंचायत सदस्य रही भीमताल विधायक राम सिंह कैड़ा की माता रेवती देवी का कल सेंट्रल हॉस्पिटल हल्द्वानी मै अचानक देहांत हो गया है रेवती देवी हमेशा सुख

दु:ख मै अपने क्षेत्र मै जनता के साथ खड़ी रहती थी।क्षेत्र की जनता के हित मै हमेशा कार्य करने का प्रयास करती थी! और सबको क्षेत्र हित मै कार्य करने को प्रेरित करती थी! विधायक राम सिंह कैड़ा की माता रेवती देवी (80) पत्नी स्वर्गी नारायण सिंह कैड़ा का 4 साल से किडनी का इलाज चल रहा था किडनी खराब होने से4 साल से से डाईलिसीस चलता था! जिस करण कल उनका देहांत हो गया है! आज प्रात: 10 बजे उनकी माता चित्रशिला घाट रानीबाग मै पंचतत्व मै विलीन हो गई! विधायक की माता की अंतिम यात्रा मै भीमताल विधानसभा सहित अन्य हजारों लोग मौजूद रहे!

463 ग्राम अवैध चरस के साथ दो अभियुक्तों को गिरफ्तार

नैनीताल/हल्द्वानी संवाददाता. वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक नैनीताल डॉ. मंजुनाथ टी.सी. के नेतृत्व में जनपद को नशामुक्त बनाने के अभियान के तहत नैनीताल पुलिस लगातार प्रभावी कार्रवाई कर रही है। इसी क्रम में बनभूलपुरा पुलिस ने बड़ी सफलता हासिल करते हुए 463 ग्राम अवैध चरस के साथ दो अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है।

एसएसपी डॉ. मंजुनाथ टी.सी. द्वारा जनपद के सभी थाना प्रभारियों को अवैध मादक पदार्थों की बिक्री और तस्करी में संलिप्त व्यक्तियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए गए हैं। इन्हीं निर्देशों के अनुपालन में पुलिस अधीक्षक हल्द्वानी मनोज कुमार कत्याल के मार्गदर्शन, क्षेत्राधिकारी हल्द्वानी अमित कुमार के पर्यवेक्षण तथा प्रभारी निरीक्षक बनभूलपुरा दिनेश सिंह फर्त्याल के नेतृत्व में पुलिस टीम ने यह कार्रवाई की।दिनांक 01 फरवरी 2026 को गौला बाईपास रोड, आंवला चौकी के पास चेकिंग के दौरान वाहन संख्या न्न 04 ौ 1675 (स्कूटी) पर सवार दो व्यक्तियों को रोका गया। तलाशी लेने पर उनके कब्जे से कुल 463 ग्राम नाजायज चरस बरामद की गई। पुलिस ने मौके पर ही दोनों अभियुक्तों को गिरफ्तार कर चरस तस्करी में प्रयुक्त स्कूटी को सीज कर दिया।इस संबंध में थाना बनभूलपुरा में मु0अ0सं0 22/26, धारा 8/20/60 एनडीपीएस एक्ट के तहत अभियोग पंजीकृत कर अमि विधिक कार्रवाई की जा रही है।गिरफ्तार अभियुक्त:भूपेश चंद्र पुत्र गिरीश चंद्र, निवासी ग्राम लाथी, थाना कपकोट, जनपद बागेश्वर, उम्र 28 वर्षदिनेश चंद्र पुत्र ख्याली दत्त पाठक, निवासी ग्राम लाथी, थाना कपकोट, जनपद बागेश्वर, उम्र 38 वर्षबरामदगी:कुल 463 ग्राम नाजायज चरसपुलिस टीम:उप निरीक्षक जगवीर सिंह, कांस्टेबल लक्ष्मण राम, कांस्टेबल सुनील कुमार, कांस्टेबल मो. यासीन.

युवक दीपक चंद्र जोशी के लापता होने से क्षेत्र में चिंता का माहौल

हल्द्वानी संवाददाता. कमलुवागांजा क्षेत्र के सोम बिहार कॉलोनी निवासी 35 वर्षीय युवक दीपक चंद्र जोशी के लापता होने से क्षेत्र में चिंता का माहौल है। परिजनों के अनुसार दीपक चंद्र जोशी बीते 1 फरवरी 2026 को

अपराह्न लगभग 3 बजे अपने घर से निकले थे, लेकिन देर शाम तक घर वापस नहीं लौटे। इसके बाद से उनका कोई सुराग नहीं लग पाया है।

लापता युवक के पिता का नाम भुवन चंद्र जोशी है। परिजनों ने आसपास के क्षेत्रों, रिश्तेदारों और परिचितों के यहां काफी तलाश की, लेकिन कहीं से भी कोई ठोस जानकारी नहीं मिल सकी। दीपक के मोबाइल फोन से भी संपर्क नहीं हो पा रहा है, जिससे परिजनों की चिंता और अधिक बढ़ गई है।परिजनों ने इस संबंध में निकटतम पुलिस थाने को सूचना दे दी है। पुलिस द्वारा युवक की तलाश शुरू कर दी गई है और संभावित स्थानों पर पूछताछ की जा रही है। साथ ही आसपास के सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालने की प्रक्रिया भी जारी है।परिजनों ने आमजन से अपील की है कि यदि किसी भी व्यक्ति को दीपक चंद्र जोशी के बारे में कोई भी जानकारी प्राप्त होती है या वह कहीं दिखाई देते हैं, तो तुरंत निकटतम पुलिस स्टेशन या दिए गए संपर्क नंबर पर सूचना दें।

अवैध खनन में चार वाहनों को पकड़ा

रामनगर संवाददाता. तराई पश्चिम वन प्रभाग रामनगर रेंज के कोसी नदी में अवैध खनन में चार वाहनों को पकड़ा है। डीएफओ प्रकाश चंद्र आर्य ने बताया कि रामनगर रेंज के कटिया पुल गेट खनन क्षेत्र में वन विभाग की टीम ने औचक छापा मारा गया। छापे के दौरान मौके से एक डंपर व एक ट्रैक्टर को अवैध रूप से खनन निकासी करते हुए पकड़ा गया। वाहनों को कटिया पुल चौकी परिसर में खड़ा कर दिया गया है। वन क्षेत्राधिकारी रामनगर के नेतृत्व में रामनगर रेंज के कोसी नदी क्षेत्र के औचिक निरीक्षण के दौरान कठियापुल से एक ट्रैक्टर ट्रॉली व एक डंपर को बिना रायल्टी व बिना प्रपत्र के आरबीएम ले जाते पकड़ा गया। कठियापुल चौकी परिसर में सुरक्षित खडा किया गया।

चोरी के खिलाफ चलाए गए अभियान में बड़ा खुलासा हुआ

रुद्रपुर संवाददाता. /बिजली चोरी के खिलाफ चलाए गए अभियान में बड़ा खुलासा हुआ है। ऊर्जा निगम और विजिलेंस की संयुक्त छापेमारी में

भाजपा के पटेलनगर मंडल अध्यक्ष धीरेश गुप्ता समेत नौ लोगों के खिलाफ बिजली चोरी का मुकदमा दर्ज किया गया है। ट्रांजिट कैंप, खेड़ा और दरियागंज क्षेत्रों में औचक निरीक्षण के दौरान टीमों ने कटिया डालकर, मीटर से छेड़छाड़ कर और सीधे मुख्य लाइन से अवैध कनेक्शन लेकर बिजली चोरी किए जाने के प्रमाण पकड़े। कई मकानों में बिजली मीटर गायब मिले, जबकि कुछ घरों में मीटर से पहले केबल काटकर अवैध सप्लाई ली जा रही थी।

हिन्दी दैनिक जोखिम

लिटिल चौम्प सोमांश सिंह डंगवाल ने अब बड़े पर्दे पर भी अपना जलवा दिखाना शुरू कर दिया

रामनगर संवाददाता. रामनगर के लिटिल चौम्प सोमांश सिंह डंगवाल ने अब बड़े पर्दे पर भी अपना जलवा दिखाना शुरू कर दिया है। उनकी ओटीटी प्लेटफॉर्म पर पहले भी मूवीज आ चुकी है। इस साल की शुरुआत उनकी बड़े पर्दे से हो रहीं है, जो उनके साथ साथ रामनगर के लिए भी गर्व का विषय है।जहाँ उनकी उम्र के बच्चे अपनी

पढ़ाई मे व्यस्त है और आगे अपनें करियर के लिए चिंतित है वही सोमांश अपनी मेहनत से बॉलीवुड मे अपना सिक्का जमाये हुए है, उनके पिता पूर्व सैनिक व पूर्व सभासद भुवन सिंह डंगवाल ने बताया कि सोमांश 2026 मे नया ध माल करने वाले है, पिछले 5 सालो मे वह टेलीवीजन के सभी चौनलों पर काम कर चुके है।बड़े बड़े बॉलीवुड स्टार व क्रिकेट के बड़े स्तरों के साथ काम कर चुके हैं, अब वो इस साल 2026 मे बड़े पर्दे पर दिखाई देंगें, इस उपलब्धि का श्रेय सोमांश अपनें माता पिता, दादी और उनकी पुरी टीम को देते है।जो रात दिन उनके लिए मेहनत करते है, उन्ही कि वजह से वो काम पर अपना फोकस बनाये रखते है, इस साल की पहली मूवी जो की यस राज इंडस्ट्री से उन्हें मिली मर्दानी 3 अभी हाल ही मे 28 जनवरी को रिलीज हो चुकी है।जिसमे अहम् भूमिका मे रानी मुखर्जी फिल्म स्टार के साथ काम करने का मौका मिला है।जिसमे वह विलेन रामानुजन के बचपन का रोल कर रहे है। इस मूवी के पहले ही 2 पार्ट आ चुके है, इस मूवी मे उन्हें अपनें को एक्टिंग के क्षेत्र मे व बड़े पर्दे पर कुछ नया करने का मौका मिला है,जिसके लिए वह यस राज इंडस्ट्री का बहुत बहुत आभार व्यक्त करते है।सोमांश के पिता बताते है की लोग एक मूवी को पाने के लिए कई सालो मेहनत करते है तब भी उन्हें काम नहीं मिलता है।मुंबई सच मे सपनो का शहर है।इरादों मे उड़ने भरने वालो का सपना पूरा भी होता है, आज मुंबई नें सोमांश को अपना लिया है, अभी हाल ही मे सोमांश को चाइल्ड इंफ्लूनसर का अवार्ड भी महाराष्ट्र सरकार द्वारा मिला है।जिसके लिए सोमांश व उनके पिता उनके सभी चाहने वालो का दिल से आभार व्यक्त करते है, सोमांश कहते है की वो अपनें फेंस को हमेशा अपनें काम से खुश रखेंगे सभी अपना प्यार और आशीर्वाद ऐसे ही बनाये रखे।

रामनगर में विदेश भेजने के नाम पर लाखों की ठगी करने के मामले में 3 साल से फरार चल रहे आरोपी को पुलिस ने किया गिरफ्तार

रामनगर संवाददाता. रामनगर कोतवाली पुलिस ने विदेश भेजने के नाम पर 100000 रुपए से अधिक की ठगी करने के मामले में पिछले करीब 3 वर्ष से फरार चल रहे एक आरोपी को गिरफ्तार कर उसे कोर्ट

में पेश करने की कार्रवाई की। रामनगर के मोहल्ला खताडी निवासी हैदर अली द्वारा कोर्ट में प्रार्थना पत्र दिया गया था कि उसी के इलाके में रहने वाले अयूब अंसारी एवं उत्तर प्रदेश के ठाकुर द्वारा निवासी अतिकुर रहमान वर्क अंसारी द्वारा उसे विदेश भेजने के नाम पर उसे ध ोखाधड़ी कर 133000 की ठगी की गई थी इस मामले में कोतवाली पुलिस ने कोर्ट के आदेश पर उक्त दोनों आरोपियों के खिलाफ संबंध ी धाराओं के तहत मुकदमा दर्ज करते हुए अयूब अंसारी को पूर्व नहीं गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश करने की कार्रवाई की थी मामले की विवेचना कोतवाली के उपनिरीक्षक तारा सिंह राणा को सौपी गई थी उपनिरीक्षक तारा सिंह राणा द्वारा फरार चल अतिकुर रहमान को गिरफ्तार करने के लिए कई बार दविश दी गई लेकिन वह पुलिस के हाथ नहीं चला इस मामले में उप निरीक्षक तारा सिंह राणा द्वारा बीते दिवस रविवार को फरार आरोपी को मुखबिर की सूचना पर उसके घर से गिरफ्तार किया गया मामले में सीओ सुमित पांडे ने बताया कि आरोपी अतिकुर रहमान करीब 3 वर्ष से फरार चल रहा था।

उत्तर-पूर्वी किसानों को जलवायु-अनुकूल कृषि तकनीकों का प्रशिक्षण

अल्मोड़ा संवाददाता. विवेकानंद पर्वतीय कृषि अनुसंधान संस्थान, अल्मोड़ा में उत्तर-पूर्वी क्षेत्र के किसानों के लिए आजीविका संवर्धन को केंद्र में रखते हुए जलवायु-अनुकूल और टिकाऊ कृषि प्रौद्योगिकियों पर पाँच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। यह प्रशिक्षण 27 से 31 जनवरी 2026 तक चला, जिसमें उत्तर-पूर्वी क्षेत्र से आए 18 किसानों ने भाग लिया। कार्यक्रम का उद्देश्य पर्वतीय परिस्थितियों के अनुरूप टिकाऊ कृषि, उत्पादन बढ़ाने की तकनीकों और वैकल्पिक आजीविका अवसरों की व्यावहारिक समझ विकसित करना रहा। प्रशिक्षण के दौरान विशेषज्ञों के व्याख्यान, क्षेत्रीय प्रदर्शन और प्रयोगात्मक सत्र आयोजित किए गए, ताकि प्रतिभागी तकनीकों को सीधे खेत-स्तर पर अपनाने के लिए तैयार हो सकें। उद्घाटन सत्र में प्रभारी निदेशक एवं फसल सुधार विभागाध्यक्ष एन. के. हेडाऊ ने संस्थान की प्रमुख प्रौद्योगिकियों और उत्तर-पूर्वी हिमालयी कार्यक्रम की रूपरेखा पर प्रकाश डाला। शुरुआती सत्रों में मिलेट्स व अन्य संभावनाशील फसलों का उत्पादन, सब्जियों की संरक्षित खेती और उत्तम कृषि पद्धतियों पर चर्चा हुई। 29 जनवरी को प्रतिभागियों ने दाड़िमा क्लस्टर और केंद्रीय समशीतोष्ण बागवानी संस्थान, मुक्तेश्वर का भ्रमण कर उन्नत बागवानी तकनीकों का व्यावहारिक अनुभव प्राप्त किया। 30 जनवरी को पर्वतीय कृषि प्रणाली में पशुपालन प्रबंधन, कृषि यंत्रीकरण, मक्का उत्पादन तकनीक, जैव उर्वरकों व सूक्ष्मजीवी इनोकुलेंट्स के उपयोग तथा मधुमक्खी पालन को उद्यम के रूप में अपनाने पर सत्र आयोजित हुए। इस अवसर पर संस्थान की अभियांत्रिकी कार्यशाला का भी भ्रमण कराया गया। निदेशक लक्ष्मीकांत ने प्रतिभागियों से संवाद कर प्रशिक्षण पर उनकी प्रतिक्रियाएँ लीं और अर्जित ज्ञान को अपने क्षेत्रों में प्रसारित करने के लिए प्रेरित किया।

रामनगर में अपनी मांगों को लेकर सरकार के खिलाफ सड़कों पर उतरी भोजन माताएं

रामनगर संवाददाता. भोजन माताओं के द्वारा रामनगर में अपनी विभिन्न मांगों को लेकर सड़कों पर उतरकर प्रदेश सरकार पर अपनी उपेक्षा व उत्पीड़न का आरोप लगाते हुए नारेबाजी करते हुए प्रदर्शन किया तो वही एक ज्ञापन एसडीएम के माध्यम से प्रदेश के मुख्यमंत्री को भेजा। सोमवार को मोहल्ला लखनपुर स्थित शहीद पार्क में भोजन माता संगठन की हुई बैठक में वक्ताओं ने सरकार से शीघ्र अपनी मांगे पूरी करने की बात कहीं। मोहल्ला लखनपुर से लेकर तहसील परिसर तक सरकार के खिलाफ प्रदर्शन भी किया।भोजन माता संगठन की अध्यक्ष शारदा देवी ने बताया कि पूरे प्रदेश में अपनी मांगों को लेकर संगठन द्वारा लंबे समय से धरना प्रदर्शन करने के साथ ही मुख्यमंत्री को कई बार ज्ञापन भी दिया जा चुका है लेकिन इसके

बावजूद भी आज तक उनकी मांगे पूरी नहीं हुई है उन्होंने कहा कि भोजन माताओं को चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी का दर्जा देने के साथ स्कूलों में बच्चों की कम संख्या के बाद निकाली गई भजन माताओ को वापस लिया जाए और स्कूलों में बाहर से आ रहे भोजन को बंद करने के साथ ही सरकार द्वारा घोषित 5000 न्यूनतम वेतन को लागू करने के साथ ही 18000 रुपए प्रति माह वेतन दिया जाए उन्होंने कहा कि आज 1 दिन की हड़ताल के बाद यदि सरकार ने उनकी मांगों को पूरा नहीं किया तो वह अनिश्चितकालीन हड़ताल करने के लिए मजबूर होगी जिसकी जिम्मेदारी सरकार की होगी उन्होंने कहा कि आप भोजन माताएं अपना उत्पीड़न बर्दाश्त नहीं करेंगी।भोजन माता संगठन रामनगर अध्यक्ष शारदा देवी, सुशीला देवी,विमला देवी,नंदी देवी,तुलसी देवी,शशि देवी,मंजू देवी,कमला देवी आदि मौजूद रहें।

विशेष गहन पुनरीक्षण की तैयारियों की समीक्षा, समयबद्ध और पारदर्शी कार्य के निर्देश

अल्मोड़ा संवाददाता. संयुक्त मुख्य निर्वाचन अधिकारी उत्तराखंड प्रकाश चंद्र ने आगामी विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम की तैयारियों को लेकर निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी और सहायक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। बैठक में कार्यक्रम को सुचारु ढंग से संचालित करने के लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं समय रहते पूरी करने पर जोर दिया गया। संयुक्त मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने कहा कि मतदाता सूची से जुड़े सभी कार्यों में सटीकता, पारदर्शिता और समयबद्धता का विशेष ध्यान रखा जाए। उन्होंने निर्देश दिए कि पुनरीक्षण कार्यक्रम के दौरान आमजन की सुविधा सर्वोपरि रहे और इसके लिए पर्याप्त कार्मिक, संसाधन और स्पष्ट मार्गदर्शन की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। ईआरओ नेट के माध्यम से प्राप्त आवेदनों का निस्तारण पारदर्शी प्रक्रिया के तहत करने और प्रत्येक स्तर पर स्पष्टता बनाए रखने के भी निर्देश दिए गए।

मंगल बाजार बंद कराने को व्यापारियों ने निकाला जुलूस

रुद्रपुर संवाददाता. मंगल बाजार को बंद कराने की मांग को लेकर सोमवार को स्थानीय व्यापारियों ने शहर में जुलूस निकाला। देवभूमि व्यापार मंडल की अगुवाई में व्यापारियों ने हाथों में तख्तियां लेकर नारेबाजी की और उपजिलाधिकारी कार्यालय के बाहर धरना दिया। इसके बाद एसडीएम गौरव पांडेय को ज्ञापन सौंपा। व्यापारियों का कहना था कि मंगलवार को बाजार की साप्ताहिक बंदी रहती है, इसके बावजूद फड़ व्यवसायी सड़कों पर फड़ लगाकर गैरकानूनी तरीके से बाजार संचालित कर रहे हैं। इससे स्थानीय व्यापारियों का कारोबार प्रभावित हो रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि फड़ बाजार में सरकारी नियमों का उल्लंघन किया जा रहा है और वहां अनुचित और संदिग्ध सामान की बिक्री भी होती है। व्यापारियों ने प्रशासन से मंगल बाजार पर तत्काल रोक लगाने की मांग की।

हिन्दी दैनिक जोखिम

बर्थडे स्पेशल : ब्यूटी विद ब्रेन एक्ट्रेस, मिस इंडिया खिताब को बताया करियर के लिए बाधा

ब्यूटी विद ब्रेन की बात की जाए तो मल्टी-टैलेंटेड पर्सनैलिटी गुलकीरत कौर पनाग का नाम जरूर आता है। मिस इंडिया का खिताब हो या सर्टिफाइड पायलट गुल सिर्फ एक्ट्रेस और मॉडल ही नहीं, बल्कि फिटनेस एक्सपर्ट, बाइकर और सोशल एक्टिविस्ट भी हैं। गुल पनाग ने साल 1999 में मिस इंडिया का खिताब जीता था। उनका नजरिया हमेशा स्पष्ट और अलग हटकर रहा है। बॉलीवुड में उन्होंने कम फिल्में कीं, लेकिन हर बार सार्थक और मजबूत भूमिकाएं चुनीं। एक इंटरव्यू में गुल ने कहा था कि मिस इंडिया का ताज उनके करियर में बाधा बन गया।

उनका मानना है कि फिल्ममेकर्स ब्यूटी क्वीन को गंभीर और गहरी भूमिकाओं में कास्ट करने से हिचकिचाते हैं। मेकर्स उन्हें सिर्फ ग्लैमरस रोल ही ऑफर करते हैं।

गुल ने प्रियंका चोपड़ा का उदाहरण देते हुए कहा कि केवल प्रियंका ही इस टैग को तोड़कर बेहतरीन अभिनेत्री बनीं।

गुल ने बताया था, मिस इंडिया का खिताब मेरे लिए एक बाधा साबित हुआ है। अगर कोई एक्ट्रेस सिर्फ ग्लैमरस रोल या थोड़ा डांस करने वाली फिल्में करना चाहती है, जहां उसका योगदान कम हो, तो यह खिताब बड़ी उपलब्धि है। लेकिन अगर कोई गंभीर अभिनेत्री बनना चाहती है और सार्थक भूमिकाएं निभाना चाहती है, तो फिल्ममेकर्स मिस इंडिया को ऐसी भूमिकाओं में कास्ट करने से हिचकिचाते हैं।

गुल का मानना है कि आजकल अच्छी और सार्थक फिल्में बन रही हैं, जिन्हें मजबूत एक्टर्स की जरूरत है। उन्होंने प्रियंका चोपड़ा का उदाहरण देते हुए उनकी तारीफ करते हुए कहा था कि सिर्फ प्रियंका ही हैं, जिन्होंने ब्यूटी क्वीन का टैग तोड़कर खुद को एक शानदार अभिनेत्री साबित किया है।

गुल पनाग का फिल्मी सफर साल 2003 में रिलीज हुई फिल्म धूप से शुरू हुआ। डेब्यू फिल्म में उन्होंने कारगिल युद्ध में शहीद हुए कैप्टन अनुज नायर की विधवा की भूमिका निभाई। फिल्म की कहानी परिवार के संघर्ष पर आधारित थी और गुल की परफॉर्मेंस को काफी सराहना मिली।

इसके बाद वह साल 2006 में आई नागेश कुकुनूर की डोर में नजर आईं, जिसमें गुल ने एक राजस्थानी विधवा का किरदार निभाया। आयशा टाकिया के साथ उनकी केमिस्ट्री और इमोशनल एक्टिंग ने उन्हें क्रिटिक्स अवॉर्ड दिलाया। यह फिल्म गुल के करियर की सबसे सफल और यादगार फिल्मों में से एक है।

साल 2007 में मनोरमा सिक्स फीट अंडर आई, जो एक थ्रिलर थी और गुल की परफॉर्मेंस फिर सराही गई। इसके अलावा हेलो, स्ट्रेट, रन, टर्निंग 30 और अब तक छप्पन 2 जैसी फिल्मों का हिस्सा वह रह चुकी हैं। गुल की वेब सीरीज पाताल लोक में उनकी सपोर्टिंग रोल को भी खूब पसंद किया गया। गुल हमेशा कंटेंट वाली फिल्में चुनती हैं और कमर्शियल सिनेमा से दूर रहती हैं।

पर्सनल लाइफ की बात करें तो साल 2011 में उन्होंने बॉयफ्रेंड और पायलट ऋषि अत्तारी से पंजाबी रीति-रिवाज से शादी की। साल 2018 में उन्होंने बेटे को जन्म दिया और बेटे का नाम निहाल रखा। वह अक्सर सोशल मीडिया पर परिवार के साथ बाइक राइड, ट्रिप और फिटनेस की तस्वीरें शेयर करती हैं। वह खुद लाइसेंस्ड पायलट, मैराथन रनर और बाइकर भी हैं।

डियर कॉमरेड रीमेक अफवाह पर सिद्धांत चतुर्वेदी ने तोड़ी चुप्पी, बताया क्या है सच

धड़क 2, फोन भूत और गली बॉय जैसी फिल्मों का हिस्सा रहे एक्टर सिद्धांत चतुर्वेदी ने रीमेक फिल्मों में काम करने पर खुलकर अपनी बात रखी। सोशल मीडिया पर पोस्ट कर उन्होंने डियर कॉमरेड की रीमेक में काम करने को अफवाह करार दिया। सिद्धांत चतुर्वेदी ने साल 2019 की तेलुगू सुपरहिट फिल्म डियर कॉमरेड के हिंदी रीमेक में अपनी कास्टिंग की अफवाहों पर चुप्पी तोड़ दी है। हाल ही में खबरें आई थीं कि करण जौहर की धर्मा प्रोडक्शंस इस फिल्म का रीमेक बना रही है और सिद्धांत के साथ प्रतिभा रांता लीड रोल में होंगी। लेकिन सिद्धांत ने इंस्टाग्राम अकाउंट पर साफ कर दिया कि यह खबर गलत है। सिद्धांत ने इंस्टाग्राम के स्टोरीज सेक्शन पर एक तस्वीर पोस्ट की, जिसमें लिखा है सिद्धांत अपकमिंग फिल्म में प्रतिभा रांता के साथ नजर आएंगे। अफवाह पर चुप्पी तोड़ते हुए उन्होंने लिखा, दोस्तों, साफ कर दूं कि यह सच नहीं है। अब मेरे लिए कोई रीमेक नहीं, मैं ओरिजिनल फिल्म और एक्टर्स का फैन हूं, उन्हें बहुत प्यार और सम्मान, आप सभी का धन्यवाद।उन्होंने आगे बताया कि वह टैलेंटेड अभिनेत्री के साथ भविष्य में काम करना चाहेंगे। उन्होंने बताया, मैं बेहद टैलेंटेड अभिनेत्री प्रतिभा रांता के साथ किसी ओरिजिनल प्रोजेक्ट पर साथ काम करना पसंद करूंगा।साल 2019 में रिलीज हुई डियर कॉमरेड विजय देवरकोंडा और रश्मिका मंदाना की जोड़ी के लिए मशहूर हुई थी। फिल्म लव स्टोरी के साथ गुस्से और इमोशनल स्ट्रगल की कहानी थी, जिसे दर्शकों ने काफी पसंद किया। धर्मा प्रोडक्शंस ने इसके रीमेक राइट्स पहले ही खरीद लिए थे, लेकिन कुछ वजहों से यह प्रोजेक्ट रुक गया था। अब खबर थी कि सिद्धांत और प्रतिभा इस रीमेक में नजर आएंगे। सिद्धांत धड़क 2 में तृप्ति डिमरी के साथ काम कर चुके हैं, जो एक रीमेक थी। ऐसे में उन्होंने स्पष्ट कर दिया है कि अब वह ओरिजिनल कंटेंट की ओर ज्यादा फोकस करना चाहते हैं।वहीं, लापता लेडीज में काम कर चुकीं प्रतिभा रांता ने भी इस अफवाह पर रिएक्ट किया है। उन्होंने हाल ही में कहा कि बिना ऑफिशियल अनाउंसमेंट के ऐसी खबरें न फैलाएं, क्योंकि इससे कन्फ्यूजन होता है।

अस्तित्व ने तुम्हें आनंद दिया है, दुख तुम्हारी अपनी खोज है : सुभाष घई

फिल्म निर्माता-निर्देशक सुभाष घई अक्सर सोशल मीडिया पर फैंस के साथ अपनी यादें, फिल्मी किस्से और जीवन के खास पल शेयर करके जुड़े रहते हैं। नए साल 2026 की शुरुआत पर भी सुभाष घई ने एक प्रेरणादायक पोस्ट करते हुए वैचारिक कैप्शन दिए। सुभाष भई ने इंस्टाग्राम अकाउंट पर पोस्ट कर फैंस को जीवन में बदलाव और खुशी का संदेश दिया है। सुभाष घई ने लिखा, अगर जिंदगी आपसे आपके विचारों, व्यवहार, काम या अस्तित्व में कोई बड़ा बदलाव करने को कहे तो खुश रहने के लिए तुरंत वह बदलाव अपना लें। उनका मानना है कि खुशी हमारे हाथ में है और हमें नकारात्मकता छोड़कर सकारात्मक बदलाव अपनाना चाहिए। वह आगे कहते हैं, अस्तित्व ने हमें आनंद दिया है, लेकिन दुख हमारी खुद की खोज है। इसके साथ ही उन्होंने पोस्ट में फैंस को काम करते रहने और खुश रहने की सलाह दी। अंत में उन्होंने लिखा, काम करते रहें और खुश रहें। हैप्पी 2026।

एक अन्य पोस्ट में उन्होंने नए साल के लिए एक खूबसूरत कविता शेयर की है। उनकी यह रचना जीवन में बदलाव को स्वीकार करने और आनंद-प्रेम से जीने का संदेश देती है। यह कविता बताती है कि नया साल नई उम्मीद और दिशा लाता है। बदलाव को दिल से अपनाएं तो जीवन खुशियों से भर जाएगा। घई ने लिखा, युगों युगों से वैश्विक शक्ति यही दिखाती है, नव वर्ष तो आएगा एक नई दिशा दिखाएगा। स्वीकार करो हर परिवर्तन को अंतर्मन से। आनंद प्रेम से ये जीवन हर्षित हो जाएगा!घई अक्सर अपनी फिल्मों से जुड़े किस्से भी साझा करते रहते हैं। उन्होंने हालिया पोस्ट में अपनी साल 2008 की फिल्म ब्लैक एंड व्हाइट को लेकर दिल की बात कही थी। फिल्म को अपनी पसंदीदा बताते हुए घई ने मजेदार अंदाज में इसके पीछे की वजह भी बताई थी।सुभाष घई कालिचरण, विश्वनाथ, हीरो, कर्मा, राम लखन, सौदागर, खलनायक, परदेस और ताल जैसी सुपरहिट फिल्मों का निर्माण कर चुके हैं। उनकी फिल्में हमेशा संगीत, ड्रामा और इमोशंस का बेहतरीन मिश्रण रही हैं।

43 साल के करियर में अनुपम खेर की 550वीं फिल्म की शूटिंग शुरू, कहा- कभी नहीं सोचा था

3 जून 1981 को एक ऐसे शख्स ने मुंबई में कदम रखा, जो आज हिंदी सिनेमा की बड़ी पहचान बन चुका है। हम बात कर रहे हैं अनुपम खेर की, जिन्होंने अपने 43 साल के करियर में 550वीं फिल्म के आंकड़े को छू लिया है और अपने इतने लंबे करियर में उन्होंने कई तरह के उतार-चढ़ाव भी देखे। अब उन्होंने 550वीं फिल्म की शूटिंग शुरू कर दी है और इसका श्रेय अपने चाहने वालों को दिया है। बॉलीवुड के दिग्गज अभिनेता अनुपम खेर ने 1982 में आई फिल्म आगमन में छोटा सा किरदार निभाकर अपने करियर की शुरुआत की थी, लेकिन 1984 में आई फिल्म सारांश से उन्हें बड़ा ब्रेक मिला। किसे पता था कि सारांश से सराहना पाने वाले अनुपम खेर हिंदी सिनेमा पर राज करेंगे? अब साल 2025 में अभिनेता ने अपनी 550वीं फिल्म खोसला का घोसला-2 की शूटिंग शुरू कर दी है, जो उनके जीवन और करियर की बड़ी उपलब्धि है। अपनी खुशी जाहिर करते हुए अनुपम खेर ने इंस्टाग्राम पर एक लंबा पोस्ट शेयर किया है।उन्होंने पोस्ट में बताया, आज जब मैं अपनी 550वीं फिल्म खोसला का घोसला-2 की शूटिंग शुरू कर रहा हूं, मेरा दिल कृतज्ञता और आभार से भरा है। जब मैं 3 जून 1981 को सपनों के शहर मुंबई पहुंचा था, तब मैंने कभी सपने में भी नहीं सोचा था कि मैं 550 फिल्मों का यह मुकाम हासिल करूंगा। लेकिन आज मैं दिल्ली में कंकेजी-2 के लिए अपना पहला शॉट देने को तैयार हूं। आपको बता दूं कि मुझे सच में लगता है कि मेरे पास देने के लिए बहुत कुछ है, करने के लिए बहुत कुछ है।उन्होंने आगे लिखा, सपनों की कोई समय सीमा नहीं होती है। मेरा आशावाद, मेरा कभी हार न मानने वाला रवैया और मेरी कड़ी मेहनत करने की क्षमता ही मेरी सबसे बड़ी ताकत रही है, लेकिन इन सभी वर्षों में मेरा अस्तित्व केवल मेरे सभी निर्माताओं, निर्देशकों, सह-कलाकारों, तकनीशियनों और सबसे बढ़कर आप सभी दर्शकों के समर्थन के कारण ही संभव हो पाया है! आपके समर्थन के बिना इस मुकाम तक पहुंचना कभी संभव नहीं होता।अभिनेता ने दर्शकों को 43 साल तक मनोरंजन किया है और इस बड़ी उपलब्धि में फैंस का भी योगदान है। फैंस भी मनोरंजन की इस लंबी यात्रा के लिए अभिनेता को बधाई दे रहे हैं। एक यूजर ने लिखा, बहुत ही ऐतिहासिक सफर चल रहा है सर, इतने बड़े पैमाने तक टिक पाना और बने रहना, वो भी बिना टाइपकास्ट के। ये सभी के लिए एक प्रेरणा की तरह है।

कुछ चीजों के लिए ना कहना जरूरी, चित्रांगदा सिंह ने मना करने की अहमियत पर दिया जोर

फिल्म इंडस्ट्री में काम करना जितना चमक-दमक भरा दिखता है, उतना ही मुश्किल भी होता है। कौन सा प्रोजेक्ट करें और किसको रिजेक्ट करें, कई बार ये फैसले किसी कलाकार के पूरे करियर की दिशा तय कर देते हैं। इस मामले को लेकर अभिनेत्री चित्रांगदा सिंह ने आईएएनएस से खुलकर बात की। उन्होंने बताया कि अपने करियर के दौरान ना कहना सीखना उनके लिए सबसे अहम सीखों में से एक रहा है। आईएएनएस से बात करते हुए चित्रांगदा सिंह ने कहा, अगर कोई कलाकार बार-बार खराब काम करता है, तो उसकी पहचान और विश्वसनीयता धीरे-धीरे कम हो जाती है। ऐसे में कुछ चीजों के लिए ना कहना बहुत जरूरी है, क्योंकि यह एक अभिनेता के रूप में आपकी इमेज को बचाए रख सकता है। खराब फिल्मों या कमजोर किरदारों को स्वीकार करने से कलाकार की छवि को नुकसान पहुंचता है। उन्होंने कहा, ऐसा जरूरी नहीं कि हर बार मना किया गया फैसला सही ही हो। कई बार ऐसा होता है कि कोई अच्छा प्रोजेक्ट हाथ से निकल जाता है और बाद में एहसास होता है कि वह एक गलती थी। लेकिन कई मौके ऐसे भी होते हैं, जब मैंने किसी फिल्म को मना किया और उस पर मुझे आज तक कोई पछतावा नहीं है। ऐसे फैसलों ने मुझे आत्मसंतोष दिया और करियर को एक सटीक दिशा दी।

हिन्दी दैनिक जोखिम

मुख्यमंत्री धामी ने केंद्रीय बजट 2026 27 को बताया विकसित भारत /2047 और आत्मनिर्भर उत्तराखंड का रोडमैप

– पर्यटन, विनिर्माण, आयुष, ग्रीन एनर्जी, कौशल विकास, रोजगार और शहरी अवसंरचना से राज्य के समावेशी व सतत विकास को मिलेगी नई गतिदेहरादून संवाददाता. मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने बलबीर रोड स्थित भारतीय जनता पार्टी कार्यालय में आयोजित मीडिया प्रेस वार्ता के दौरान केंद्रीय बजट 2026ख्27 को विकसित भारत /2047 और आत्मनिर्भर उत्तराखंड की दिशा में एक ऐतिहासिक एवं दूरदर्शी बजट बताया। उन्होंने कहा कि यह बजट देश की आत्मा, आत्मविश्वास और विकासशील सोच को मजबूती प्रदान करता है।मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि बजट में पूंजीगत व्यय में की गई बढ़ोतरी से दीर्घकालिक विकास की मजबूत नींव रखी गई है। यह बजट आत्मनिर्भर भारत के संकल्प को साकार करने के साथ-साथ भारत की रणनीतिक स्वायत्तता और संप्रभुता को भी सुदृढ़ करता है।मुख्यमंत्री ने कहा कि बजट के तीन प्रमुख स्तंभख्संतुलित एवं समावेशी विकास, वंचित वर्गों का क्षमता निर्माण और सबका साथ-सबका विकासख्दूरस्थ के माध्यम से सीमांत क्षेत्रों, गांवों, महिलाओं, युवाओं, बुजुर्गों, बच्चों और वंचित वर्गों सभी के समग्र उत्थान का स्पष्ट मार्ग प्रशस्त करते हैं।उन्होंने बताया कि टियर-2 और टियर-3 शहरों के विकास से उत्तराखंड के देहरादून, हरिद्वार और हल्द्वानी जैसे शहरों को विशेष लाभ मिलेगा। प्रत्येक जनपद में महिला छात्रावास की व्यवस्था से महिला सुरक्षा, शिक्षा और सशक्तिकरण को नई मजबूती मिलेगी। 'ईज ऑफ डूइंग बिजनेस' और 'विश्वास आधारित शासन' से निवेश, रोजगार और जनभागीदारी को बढ़ावा मिलेगा।

मुख्य सचिव ने विकासकार्यों की जनपद्वार समीक्षा

देहरादून संवाददाता. मुख्य सचिव आनन्द बर्द्धन ने सोमवार को सचिवालय स्थित वीर चंद्र सिंह गढ़वाली सभागार में विकासकार्यों की जनपद्वार समीक्षा की। मुख्य सचिव ने राष्ट्रीय और राज्य स्तरीय 2047 विजन डॉक्यूमेंट की तर्ज पर सभी जिलाधिकारियों को जिला एवं पंचायत स्तर पर भी विजन डॉक्यूमेंट तैयार किए जाने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि पंचायत स्तर, खण्ड स्तर और जनपदों के विजन डॉक्यूमेंट की दिशा में शीघ्र कार्य किया जाए। इसके लिए आवश्यक वर्कशॉप भी शीघ्र आयोजित कराई जाएं।

मुख्य सचिव ने कहा कि जिला योजना के लिए जिला योजना समितियों को बैठकें मार्च माह तक अनिवार्य रूप से करवा ली जाएं। इसके लिए अभी से होमवर्क शुरू किया जाए ताकि योजनाओं को समय से पूर्ण करने के लिए पहले से तैयारी रहे। उन्होंने कहा कि जिला योजना में शामिल किए जाने वाले संभावित कार्यों की प्रक्रिया के पहलुओं को पूर्ण कराते हुए एस्टीमेट तैयार करवा लिए जाएँ।मुख्य सचिव ने कहा कि उद्यान विभाग, कृषि विभाग एवं पशुपालन विभाग को जनपद स्तर पर खरीद के लिए शक्तियों का विकेंद्रीकरण किया जाना चाहिए। उन्होंने खरीद के लिए मूल्य निर्धारण के साथ ही एक वर्ष के बजाए 2 से 3 वर्षों के लिए मूल्य निर्धारित करने जैसे उपायों का भी परीक्षण कराया जा सकता है। आमजनमानस की समस्याओं के निस्तारण के लिए यदि जिला योजना की गाइडलाइंस और नियमों में सुधार की आवश्यकता है तो किए जाने चाहिए।मुख्य सचिव ने कहा कि जन जन की सरकार में प्राप्त समस्याओं के निस्तारण के लिए भी योजनाएं तैयार की जाएँ, साथ ही कार्य प्रकृति के अनुरूप जिला एवं राज्य योजना में शामिल करवाया जाए। उन्होंने राज्य सेक्टर एवं डीएपी, सीसीएस आदि की मासिक बैठकें अनिवार्य रूप से आयोजित कराई जाएं।मुख्य सचिव ने आजीविका से जुड़ी सभी विभागों की योजनाओं को गंभीरता से लिए जाने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि आजीविका से जुड़ी योजनाओं की जनपद स्तर पर मासिक रूप से समीक्षा की जाए साथ ही त्रैमासिक रूप से मुख्य सचिव की अध्यक्षता में राज्य स्तर पर इन योजनाओं की समीक्षा आयोजित की जाए।मुख्य सचिव ने राजकीय महिला विद्यालयों को टॉयलेट्स निर्माण से 08 मार्च, 2026 तक सैचुरेट किए जाने के निर्देश को दोहराया। उन्होंने टॉयलेट्स की सफाई व्यवस्था के लिए ठोस योजना भी तैयार किए जाने की बात कही।इस अवसर पर प्रमुख सचिव आर. मीनाक्षी सुंदरम, सचिव शैलेश बगौली, डॉ. बी.वी.आर.सी. पुरुषोत्तम, चंद्रेश कुमार यादव, आयुक्त कुमाऊं दीपक रावत, आयुक्त गढ़वाल विनय शंकर पाण्डेय, सभी जनपदों से जिलाधिकारी उपस्थित थे।

संक्षिप्त समाचार...

माजरीग्रांट के विवेक और शौर्य ने लहराया परचम

ऋषिकेश संवाददाता. राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय माजरीग्रांट के छात्र विवेक और शौर्य रावत ने अपने माता-पिता और क्षेत्र का नाम रोशन किया है। दोनों छात्रों का चयन शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार के तत्वावधान में आयोजित राष्ट्रीय साधन सह मेरिट छात्रवृत्ति परीक्षा में हुआ जानकारी देते हुए प्राथमिक शिक्षक संघ, डोईवाला के ब्लॉक अध्यक्ष और विद्यालय के शिक्षक नरेंद्र सागर ने बताया कि माजरीग्रांट के छात्र पिछले 10 वर्षों से लगातार इस परीक्षा में सफलता प्राप्त कर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवा रहे हैं। इस वर्ष जनपद देहरादून के कुल 156 छात्रों ने सफलता प्राप्त की है, जिनमें 24 छात्र डोईवाला विकासखंड के हैं। बताया कि चयनित छात्रों को कक्षा 9 से 12वीं तक प्रतिवर्ष छात्रवृत्ति प्रदान की जाएगी। योजना के नियमों के अनुसार छात्रवृत्ति की राशि सीधे छात्रों के बैंक खाते में भेजी जाएगी और लाभ जारी रखने के लिए छात्रों को हर साल न्यूनतम 55 प्रतिशत अंक प्राप्त करने होंगे। कहा कि इस योजना का मुख्य उद्देश्य आर्थिक रूप से कमजोर लेकिन प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को सहायता प्रदान करना है। ताकि कक्षा आठ के बाद पढ़ाई छोड़ने की दर को कम किया जा सके।

फीचर फिल्म 'माँ सुरकण्डा' का पोस्टर लोकार्पित

ऋषिकेश संवाददाता. उत्तराखंडी फीचर फिल्म मां सुरकंडा छह फरवरी से रामा पैलेस सिनेमा हॉल में दिखाई जाएगी। पीआर फिल्म प्रोडक्शन के बैनर तले निर्मित यह फिल्म आस्था और संस्कृति से ओतप्रोत है। सोमवार को अंतरराष्ट्रीय गढ़वाल महासभा के अध्यक्ष डॉ. राजे सिंह नेगी ने स्टार कास्ट के साथ फिल्म का पोस्टर लॉन्च किया। महासभा के अध्यक्ष डॉ. नेगी ने कहा कि यह फिल्म शुक्रवार 6 फरवरी 2026 से रोजाना सुबह 11:15 बजे ऋषिकेश रामा पैलेस सिनेमा हॉल में प्रदर्शित होगी। बताया कि फिल्म उत्तराखंड की लोकआस्था, सांस्कृतिक विरासत और देवी मां सुरकंडा की धार्मिक महिमा को सशक्त रूप से प्रस्तुत करती है। फिल्म के माध्यम से दर्शकों को मां सुरकंडा की धार्मिक चेतना, लोक परंपराओं और आध्यात्मिक मूल्यों का जीवंत अनुभव मिलेगा। निर्माता मंडल का विश्वास है कि यह फिल्म न केवल उत्तराखंडी समाज बल्कि समस्त दर्शकों के हृदय में विशेष स्थान बनाएगी। मौके पर प्रेम सिंह, राजेन्द्र प्रसाद भट्ट, अशोक चौहान आशु, सुशीला रावत, राजेश मालगुड़ी, राकेश गौड़, सावन गैरोला, दीक्षा बड़ोनी, साक्षी काला, डॉ. शशि भूषण नेगी, बबली अधिकारी, रिया शर्मा, मनोज चौहान, बिनिता रावत नेगी, पूनम सकलानी, आयुषी जुयाल आदि उपस्थित रहे।

ग्राफिक एरा पहुंची यूके और अमेरिका की यूनिवर्सिटीज

देहरादून संवाददाता. ग्राफिक एरा विश्वविद्यालय में विदेश में पढ़ने के इच्छुक छात्र-छात्राओं के लिए सोमवार को एजुकेशन फेयर का आयोजन किया गया। उन्होंने छात्र छात्राओं को विदेश में पढ़ाई और करियर के बारे में विस्तार से जानकारी दी। इस एजुकेशन फेयर में अंतिम और पूर्व-अंतिम वर्ष के छात्र-छात्राओं को अंतर्राष्ट्रीय शिक्षा और अवसरों से रूबरू कराया गया। फेयर में अमेरिका और यूके के आठ विवि ने भाग लिया। इस दौरान यूनिवर्सिटीज के प्रतिनिधियों ने छात्र-छात्राओं को सेमेस्टर एक्सचेंज प्रोग्राम, मास्टर्स कोर्स इंटर्नशिप और भाषा सीखने के विशेष कार्यक्रमों के बारे में जानकारी साझा की।

रोड कटिंग शर्तों का उल्लंघन, यूपीसीएल की अनुमति निरस्त

देहरादून संवाददाता. जिला प्रशासन को आईएसबीटी क्रॉसिंग, सहारनपुर रोड, माजरा क्षेत्र में किए जा रहे रोड कटिंग कार्य में गंभीर अनियमितताएं मिली हैं। डीएम सविन बंसल ने शहर की सड़कों की स्थिति का स्थलीय निरीक्षण कर रोड कटिंग कार्य में अनुमति की शर्तों का उल्लंघन मिलने पर सख्त नाराजगी जताई। अधीक्षण अभियंता (परियोजना क्रियान्वयन), पावर ट्रांसमिशन कारपोरेशन ऑफ उत्तराखण्ड लिमिटेड (पिटकुल) द्वारा 135 केवी आराघर सब-स्टेशन से निर्माणाधीन 132 केवी माजरा-लालतप्पड़ एलआईएलओ लाइन को भूमिगत केबिल के माध्यम से बिछाने (कुल लंबाई 1996 मीटर, 5 रोड क्रॉसिंग सहित) के लिए रोड कटिंग की अनुमति का अनुरोध किया था। परियोजना समन्वय समिति ने 16 जनवरी से 15 फरवरी तक रात्रि 10 बजे से प्रातः 5 बजे तक रोड कटिंग की सशर्त अनुमति प्रदान की थी। एसडीएम न्याय कुमकुम जोशी के नेतृत्व में टीम ने आईएसबीटी क्रॉसिंग एवं सहारनपुर रोड माजरा क्षेत्र में रोड कटिंग स्थलों का निरीक्षण किया। पाया कि संबंधित एजेंसी द्वारा अनुमति आदेश में उल्लिखित शर्तों एवं प्रतिबंधों का उल्लंघन कर रोड कटिंग कार्य किया जा रहा है, जिससे लोगों को भारी असुविधा, यातायात बाधा एवं सुरक्षा संबंधी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। जिला प्रशासन द्वारा अग्रिम आदेशों तक संबंधित स्थलों पर रोड कटिंग कार्य पूर्ण रूप से प्रतिबंधित कर दिया गया है तथा अनुमति निरस्त कर दी गई है। अधीक्षण अभियंता (परियोजना क्रियान्वयन), पावर ट्रांसमिशन कारपोरेशन ऑफ उत्तराखण्ड लिमिटेड को निर्देशित किया गया है कि दो फरवरी तक समस्त प्रभावित स्थलों पर सड़क का भरान कर यथास्थिति में रिस्टोरेशन कार्य सुनिश्चित करेंगे जाए। निर्देशों का अनुपालन न करने पर अधिशासी अभियंता सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारियों के विरुद्ध केस दर्ज करने की चेतावनी दी है।

पतंजलि समिति ने ओल्ड ऐज होम के बुजुर्गों संग बिताया समय

देहरादून संवाददाता. महिला पतंजलि योग समिति ने सोमवार को डालनवाला के ओल्ड ऐज होम प्रेमधाम में समिति की केन्द्रीय प्रभारी साध्वी देवप्रिया के जन्मदिवस पर वरिष्ठ नागरिकों के साथ सेवा भाव से समय बिताया। राज्य प्रभारी और संयोजिका सीमा जौहर ने बताया कि यह कार्यक्रम आत्मीयता से भरपूर रहा। बुजुर्गों को योग के सरल और उपयोगी टिप्स दिए गए। उन्हें स्वस्थ्य जीवनशैली, सकारात्मक सोच और दिनचर्या से जुड़ी जानकारियां दी गई। समिति सदस्यों ने बुजुर्गों से संवाद कर उनके अनुभव सुने। सभी को प्रसाद वितरण किया गया। पतंजलि के उत्पाद भेंट स्वरुप दिए गए। कार्यक्रम का उद्देश्य समाज के वरिष्ठ नागरिकों के सम्मान, अपनापन और स्वास्थ्य के प्रति जागरुकता देना था।

स्वामी, प्रकाशक एवम मुद्रक संजीव पंत द्वारा 19.सी, सुभाष रोड, पैसेफिक होटल के पीछे डूंगा हाउस देहरादून से प्रकाशित एवं चिराग पब्लिकेशन्स डी-2, शिवलोक कालोनी लाडपुर, ब्लॉक रायपुर काली मन्दिर के पास, देहरादून से मुद्रित। सम्पादक – संजीव पंत , फोन नं0- 0135-2712118 , प्रसार प्रबंधकः वसीम अहमद , आर एन आई नं.: UTTHIN/2010/33537 email: jokhimdehradun2006@gmail.com
ताज़ातरीन खबरों व सही जानकारी के साथ समाचार को विस्तार से पढ़नें के लिए लागआन करें हमारा newsportal:. jokhimnews.com